नई दिल्ली
रविवार 12 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
दशमी वर्ष : 29, अंक : 358
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 21

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

देश के लोगों के कल्याण, सुरक्षा के लिए जारी सरकार के प्रयासों के बारे में दी जानकारी

जयशंकर पहुंचे यूएई, भारतीय समुदाय से बातचीत संग की यात्रा की शुरुआत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे अंतिम पड़ाव के रूप में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर शनिवार को खाड़ी के एक महत्वपूर्ण देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ मुलाकात की है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि यूएई की अपनी यात्रा का आगाज देश के नागरिक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर किया है। जिसमें मैंने उन्हें पश्चिम-एशिया संघर्ष के बीच उनकी भलाई और सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में अवगत कराया है। गौरतलब है कि युद्ध के बीच पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में भारत के कुल 1 करोड़ लोग रहते हैं। ▶▶शेष पेज 5 पर

■ ईरान से आर्मेनिया होते हुए सुरक्षित भारत पहुंचे 312 मछुआरे

'समता विनियम-2026' को लागू करने को लेकर जोश दिखाना पड़ा भारी...

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बिना किसी उच्च-स्तरीय वार्ता या सरकार की मंजूरी के देशभर के उच्च-शिक्षण संस्थानों में छात्रों और अध्यापकों के खिलाफ किसी भी तरह के भेदभाव को समाप्त करने के लिए बनाए गए 'समता विनियम-2026' को लागू करना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रोफेसर मनीष. आर. जोशी को बहुत भारी पड़ गया। बीते शुक्रवार को उन्होंने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूजीसी के मुताबिक, उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है और उनकी नियुक्ति महाराष्ट्र में उनके ▶▶शेष पेज 5 पर

यूजीसी सचिव प्रोफेसर मनीष जोशी को अचानक छोड़नी पड़ी कुर्सी, दिया इस्तीफा

- एआईसीटीई की सदस्य सचिव प्रोफेसर श्यामा रथ को सौंपी गई यूजीसी सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी
- 11 अप्रैल से अवकाश पर रहेंगे जोशी, 25 अप्रैल को औपचारिक रूप से होंगे कार्यमुक्त

विवाद शांत होने के बाद भी नहीं बनी बात: *गौरतलब है कि प्रोफेसर मनीष ने समता विनियम-26 को इस वर्ष जनवरी महीने में स्वतः ही अधिसूचित कर लागू कर दिया था। यह वो समय था जब सरकार इस* ▶▶शेष पेज 5 पर

इस्तीफे के पीछे वजह 'निजी' तो नहीं

सूत्रों ने बताया कि प्रोफेसर मनीष ने निजी कारणों को अपने इस्तीफे की वजह बताया है। जिसमें वह अपने मूल संगठन यानी महाराष्ट्र के कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव (केबीसीएनएमयू) के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस विभाग में वापस लौट जाएंगे। प्रोफेसर जोशी इस विश्वविद्यालय में वर्ष 1997 से अध्यापन कार्य में लगे हुए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि यूजीसी सचिव स्वेच्छा से अपने मूल संगठन में फिर से वापस लौटना चाहते थे। इसलिए ▶▶शेष पेज 5 पर

अमेरिका-ईरान के बीच इस्लामाबाद में सीजफायर पर शांति-वार्ता... 3 दौर की बात हुई ईरान से 70 लोग व यूएस से 3 लोग मौजूद

अमेरिका से जेडी वेंस व ईरान से संसद स्पीकर मोहम्मद गालिबाफ कर रहे हैं बात, होर्मुज और लेबनान पर हमले का मुद्दा दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मतभेद बना हुआ

हमले में मारे गए स्कूली बच्चों के खून सने बैग, जूते और तस्वीरें लेकर पहुंचा ईरान बोला-इनके 'गुनहगारों' को सजा कौन देगा?

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता एक्सपर्ट लेवल पर पहुंच गई है। इनमें सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े लोग शामिल हैं। दोनों देशों के नेता सीधे बातचीत नहीं कर रहे हैं। बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। हालांकि अभी तक इस बातचीत की कोई तस्वीर नहीं आई है। दोनों देश पाक पीएम शाहबाज शरीफ को अपनी फाइलें दे रहे हैं। शरीफ दोनों से बात कर रहे हैं। दोनों देशों के ▶▶शेष पेज 5 पर

बातचीत की खास बात ये कि दोनों देश सीधे बात नहीं कर रहे, दोनों अपनी फाइल पाक पीएम शाहबाज शरीफ को दे रहे, शरीफ दोनों से बात कर रहे

- दोनों देशों की 47 साल बाद आमने-सामने बातचीत, ईरान बोला- बैठक फेल हुई तो यूएस-इजराइल जिम्मेदार
- वेंस ने कहा कि उन्हें बातचीत से अच्छे नतीजों की उम्मीद है, लेकिन ईरान अमेरिका के साथ चालाकी न करे

ईरानी विमान की सीटों पर जब खून से सने बैग और जूतों के साथ बच्चों के फोटो रखे दिखे तो पूरी दुनिया सन्न रह गई

बेनतीजा रही 4 घंटे की बैठक

शांति वार्ता की पहले दौर की बैठक 4 घंटे चली, लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला। अमेरिका होर्मूज स्ट्रेट खोलने पर अड़ा तो ईरान ने साफ कहा कि जब तक लेबनान पर हमले नहीं रुकते तब तक होर्मूज नहीं खुलेगा। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, होर्मुज का मुद्दा दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मतभेद बना हुआ है।

सऊदी-अरब के किंग अब्दुलअज़ीज़ एयरबेस पर पाकिस्तान ने तैनात किए लड़ाकू विमान

क्या मध्यस्थता के नाम पर ईरान की पीठ में खंजर घोंप रहा पाकिस्तान?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते करीब डेढ़ महीने से अमेरिका, इजरायल और ईरान में चल रही जंग के बीच 11 अप्रैल (शनिवार) का दिन मुख्य रूप से दो मामलों को लेकर चर्चा के केंद्र में रहा है। जिसमें से एक में संघर्षविराम को लेकर पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में युद्ध के बीच शांति स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के बीच वार्ता की शुरुआत हुई। तो वहीं, दूसरे में पाकिस्तान ने सऊदी-अरब के एक महत्वपूर्ण किंग अब्दुलअज़ीज़ एयरबेस पर अपने लड़ाकू विमानों और सैन्य टुकड़ी की तैनाती ▶▶शेष पेज 5 पर

■ मामले पर अभी तक भारत की तरफ से नहीं दी गई है कोई प्रतिक्रिया

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आशा भोसले को दिल का दौरा, इलाज जारी

मुंबई। मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले को दिल का दौरा पड़ने के बाद शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज यूनिट में इलाज चल रहा है। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया कि अत्यधिक थकावट और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

12 से 14 अप्रैल तक की होगी विदेश सचिव की यह यात्रा

पश्चिम-एशिया तनाव के बीच आज से पेरिस, बर्लिन के दौरे पर मिस्री

चर्चा में शामिल होंगे ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार-निवेश सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में चल रही भयंकर लड़ाई के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री की लगातार की जा रही विदेश यात्राओं का सिलसिला जारी है। जिसमें अमेरिका के तुरंत बाद अब वह 12 से 14 अप्रैल तक यूरोप के दो महत्वपूर्ण देशों, फ्रांस की राजधानी पेरिस और जर्मनी की राजधानी बर्लिन का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दोनों देशों में मिस्री विदेश कार्यालय संबंधी मंत्रणा की सह-अध्यक्षता करेंगे। जिसमें फ्रांस में उनके साथ विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स शामिल होंगे। जबकि जर्मनी के संघीय विदेश कार्यालय के राज्य सचिव डॉ.गेज़ा एंड्रियास वॉन गेयर मिस्री बर्लिन में होने वाली वार्ता में भाग लेंगे। दोनों देशों में होने वाली बातचीत के केंद्र में द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न आयाम के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय ▶▶शेष पेज 5 पर

बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला

महिला सहकर्मी के शरीर को घूरना ताक-झांक नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महिला को कथित तौर पर घूरने को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला सहकर्मी के शरीर को घूरना अनैतिक व्यवहार है, लेकिन इसे ताक-झांक का अपराध नहीं माना जाएगा। जस्टिस अमित बोरकर ने कहा कि ऐसे काम नैतिक रूप से गलत हैं, लेकिन वे भारतीय दंड संहिता की धारा 354सी के तहत कानूनी ▶▶शेष पेज 5 पर

कूनो में आई फिर बड़ी खुशखबर

मादा चीता 'गामिनी' 4 शावकों की मां बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क से एक बड़ी खुशखबर सामने आई है। करीब 25 माह की भारतीय मूल की मादा चीता 'गामिनी' ने खुले जंगल में चार शावकों को जन्म दिया है। साल 2022 में शुरू हुए चीता पुनर्वास परियोजना के बाद यह पहली बार है, जब किसी मादा चीता ने प्राकृतिक जंगल वातावरण में सफलतापूर्वक शावकों को जन्म दिया है। खास बात यह है कि 'गामिनी' भारतीय ▶▶शेष पेज 5 पर

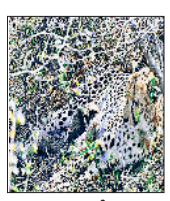

पंचायत आधारित फार्म मशीनरी से ज्यादा उत्पादन का रास्ता मजबूत होगा

क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों के बीच हर गांव तक आधुनिक कृषि मशीनरी पहुंचाएंगे : शिवराज

कहा, कस्टम हायरिंग सेंटरों से छोटे किसान भी ले सकेंगे उन्नत कृषि यंत्रों का लाभ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र के किसानों को उन्नत किस्में, सही फसल अनुशंसा और आधुनिक कृषि यंत्रों की सुलभ सुविधा एक साथ उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे कम लागत में, अधिक उत्पादन के साथ सुरक्षित और टिकाऊ खेती कर सकें। यह बात उन्होंने शनिवार को उन्नत कृषि महोत्सव के अवसर पर मीडिया से अनौपचारिक चर्चा के दौरान कहीं।

क्लाइमेट चेंज पर सतर्कता और नई किस्में: केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि क्लाइमेट चेंज अब बहुत प्रॉमिनेंट हो चुका है और अनसीज़नल बारिश, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस तथा तापमान में अनिश्चितता के कारण खेती पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संस्थान ऐसी फसल किस्में विकसित कर रहे हैं, जो अधिक गर्मी भी सह सकें, ज्यादा पानी की स्थिति में भी टिकाऊ रहें और कम पानी की स्थिति में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकें, और इन वैरायटीज़ को तेजी से किसानों तक ▶▶शेष पेज 5 पर

प्राइवेट सेक्टर और साझेदारी का संकेत

कस्टम हायरिंग मॉडल में प्राइवेट सेक्टर की सीमित भागीदारी पर पूछे गए सवाल पर मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ राज्यों में निजी कंपनियाँ और उद्यमी पहले से ही आगे आकर काम कर रहे हैं और जहां-जहां स्थिर मांग, सुस्पष्ट नीति और स्थानीय साझेदारी मिलती है, वहाँ यह मॉडल सफल होता ▶▶शेष पेज 5 पर

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA
गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

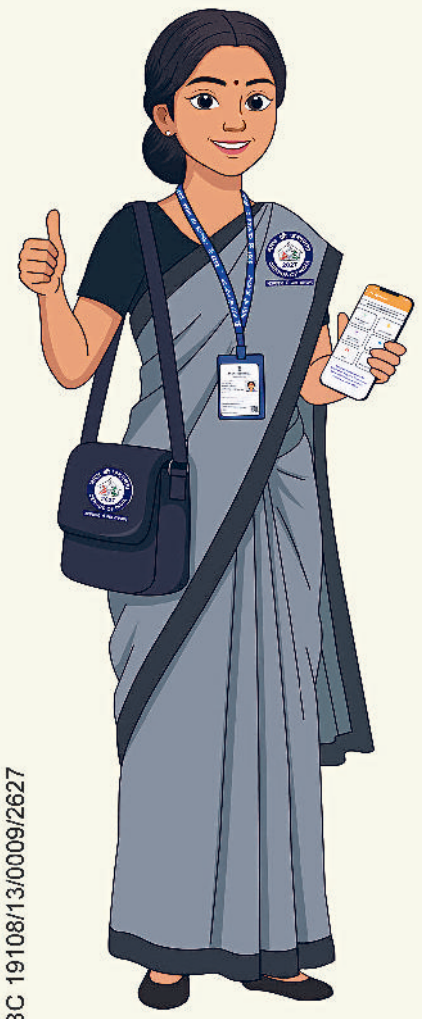

- स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
  - अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
  - गोपनीयता सुनिश्चित
  - जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है
- स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
  - राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
  - मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
  - OTP द्वारा सत्यापन करें
  - स्व-गणना शुरू करें
- अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
  - जिला / पिनकोड चुनें
  - क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
  - मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
  - सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है
- क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
  - सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
  - सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा
- क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
  नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है
- यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
  प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है
- क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
  हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0009/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

नाबालिग ने दो दोस्तों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

युवक को चाकू घोंप उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वेलकम इलाके में एक नाबालिग ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर 21 वर्षीय शमीम की चाकू मार कर हत्या कर दी। नाबालिग आरोपी ने बताया कि मृतक उसे परेशान करता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया गया है। पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है। पकड़े गए दो युवकों के नाम वसीम उर्फ मियां (20) और तिलक राज उर्फ राज (23) बताये गये हैं।

डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 6:45 बजे वेलकम पुलिस को सूचना मिली कि झील पार्क में एक मजार के पास एक युवक का शव खून से लथपथ पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को अस्पताल अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान मो. शमीम के रूप में हुई। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी और कुछ ही घंटों बाद तीन आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद करने का प्रयास कर रही है।

मयूर विहार में घर लौट रहे युवक को चाकू मारे, हालत नाजुक

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के मयूर विहार स्थित त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक इलाके में एक युवक पर चाकू से हमला किया गया। उस समय हुजफ (26) कपड़ों पर प्रैस करवा अपने घर लौट रहा था। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की पहचान कर ली है। पुलिस की कई टीमें उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे मयूर विहार पुलिस को एक युवक को चाकू मारने के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने पुलिस को बताया कि त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक में चाकूबाजी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत वारदात स्थल पर पहुंची। शुरुआती जांच और स्थानीय लोगों से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि हुजफ बाजार से अपने कपड़े प्रेस करवाकर वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह 27 ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचा, वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों के समूह ने उसे बीच रास्ते में रोक लिया। हुजफ के साथ अचानक गाली-गलौज शुरू कर दी और उसे धमकियां दी गई। इसी दौरान उनमें से कुछ लोगों ने उसकी पीठ और कंधे पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। खून से लथपथ होने के बावजूद घायल युवक किसी तरह हिम्मत जुटाकर अपने घर के करीब पहुंचने में कामयाब रहा। इसके बाद परिजन उसे पास के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले गये जहां उसका इलाज चल रहा है।

35 साल पुराने हत्या के मामले में आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने 35 साल पुराने एक नृशंस हत्या के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। 1991 से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला त्रिलोकपुरी थाने में दर्ज हुआ था।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार 2 अगस्त 1991 को त्रिलोक पुरी थाने को पश्चिम विनोद नगर में चाकू से हमले के संबंध पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। लगभग 55 वर्षीय महिला के गले पर चाकू के कई घाव थे। उसका 18-20 वर्ष का बेटा भी घायल अवस्था में मिला। उसके चेहरे पर चाकू के घाव थे। दोनों को तुरंत एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया था, जहां महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था, जबकि उसका बेटा बच गया था। जांच में किरायेदार छवि लाल वर्मा का हाथ वारदात में सामने आया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था। 10 मई 1996 को उसे भगौड़ा अपराधी घोषित किया गया था। इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख में एक टीम पिछले छह महीनों से तकनीकी निगरानी और फील्ड इंटेलिजेंस के माध्यम से लगातार प्रयास आरोपी के ठिकाने का पता लगाने का प्रयास कर रही थी। इसके लिये टीम ने आरोपी के पैतृक स्थान, उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में और उसके रिश्तेदारों से जुड़े स्थानों पर गहन पूछताछ भी की। आखिरकार विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर आरोपी की मौजूदगी का पता पंजाब के लुधियाना में चला। 10 अप्रैल को एक रेडिंग टीम बनाई गई और उसे लुधियाना भेजा गया और आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। आरोपी ने लूटपाट के मकसद से वारदात को अंजाम दिया था। उसे लगा था कि उसकी मकान मालकिन के पास काफी नकदी है, क्योंकि उसका पति विदेश में रहता था। लूटपाट करने के इरादे से वह रात में उसके कमरे में घुस गया। जब मकान मालकिन और उसके बेटे ने विरोध किया तो उसने दोनों पर एक धारदार हथियार (चॉपड) से हमला कर दिया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह कोलकाता, मुंबई, नागपुर, गोवा और पंजाब जैसे अलग-अलग स्थानों पर रहा। उसने अपने पैतृक स्थान पर लौटने से परहेज किया और यहां तक कि पकड़े जाने के डर से अपने बच्चों की शादियों सहित किसी भी पारिवारिक समारोह में भी शामिल नहीं हुआ। आजकल आरोपी पंजाब के एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में सुरक्षा गार्ड की नौकरी कर रहा था।

साकेत कोर्ट की चौथी मंजिल से कूदने की कोशिश, वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

साकेत कोर्ट में चौथी मंजिल से एक शख्स ने कूदने का प्रयास किया। लेकिन वहां मौजूद वकीलों ने समय रहते उसे रोक लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना आठ अप्रैल की बताई गई है। लोग वकीलों के त्वरित प्रयास की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक मिनट 10 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति साकेत कोर्ट में बिल्डिंग से कूदकर जान देने की कोशिश कर रहा है। आसपास मौजूद वकीलों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और नीचे गिरने से रोक लिया। वकीलों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए उसे ऊपर खींच लिया। चौथी मंजिल पर जिस जगह से उसने कूदने की कोशिश की थी, वहां कैंटीन थी, लोग आसपास ही बैठे हुए थे। एक वकील ने बताया कि कोर्ट में आने वाले फरियादी अमूमन परेशान ही रहते है। उसी परेशानी में कई बार वह ऐसे कदम उठाने की सोच लेते है। ऐसे में कुछ वकील कोर्ट में काउंसलर रखने की जरूरत भी महसूस कर रहे हैं, ताकि परेशान लोगों की उचित परामर्श दिया जा सके। साकेत कोर्ट के एक वकील ने बताया कि व्यक्ति एक केस में दस साल से फैसले का इंतजार कर रहा था। उसका वकील चौथी मंजिल पर बैठता है। जिस समय उसने यह कदम उठाया बरामदे के दूसरी ओर खड़े लोगों ने इसका वीडियो बना लिया, जो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

पूर्वी दिल्ली की जनता मजदूर कालोनी में कोचिंग सेंटर में लगी आग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में शनिवार को आग लगने की घटना सामने आई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि वेलकम थाना क्षेत्र स्थित जनता मजदूर कॉलोनी में यह आग की घटना सामने आई। कोचिंग सेंटर एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहा था। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय कोचिंग सेंटर में कई बच्चे मौजूद थे। कुछ बच्चे कंप्यूटर पर काम कर रहे थे, जबकि अन्य पढ़ाई कर रहे थे। अचानक आग लगते ही पूरे सेंटर में भगदड़ मच गई। स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते बचाव होने से बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

एलजी ने किया चांदनी चौक क्षेत्र का दौरा, लोगों की सुनी, अधिकारियों को दिए कई दिशा निर्देश

नई दिल्ली। उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को ऐतिहासिक चांदनी चौक क्षेत्र का औचक दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया, व्यापारियों, निवासियों और पर्यटकों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही मौजूद आला अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश दिए। इसके अलावा एलजी ने पुरानी दिल्ली के कई मशहूर व्यंजनों का स्वाद भी चखा। जानकारी अनुसार एलजी ने जोर देकर कहा कि चांदनी चौक में सुधार के लिए विभिन्न विभागों जिनमें पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और दिल्ली पुलिस को अलग-अलग काम करने के बजाय मिलकर (लॉक स्टेप) काम करना होगा। उन्होंने मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों से सीधे संवाद किया और उनसे 10 मुख्य समस्याओं को लिखकर देने को कहा। एलजी ने कहा कि आप अपनी दस प्रमुख समस्याएं लिखकर देगें उन्हें मैं स्वयं फॉलो-अप करूंगा। एलजी ने ऐतिहासिक महत्व वाले चांदनी चौक में सालों की अनदेखी और घोर अव्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि अब यहां के हालात बदलने होंगे जिनकी शुरुआत हो चुकी है। संधू ने स्थानीय व्यापारियों, छोटे बड़े दुकानदारों और वेंडरों से खुलकर बातचीत की और कहा कि चांदनी चौक के साथ पूरी दिल्ली क्षेत्र विकास, समृद्धि महत्वपूर्ण है। याद दिला दें कि संधू से पूर्व नवंबर 2023 में तत्कालीन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भी चांदनी चौक का सघन दौरा कर चुके है। उस समय सक्सेना ने भी चांदनी चौक की समस्याओं को हल करने व उसे खूबसूरत बनाने को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए थे। लेकिन मामला तस का जस बना रहा। अब वर्तमान में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी चांदनी चौक का दौरा कर लोगों की समस्याओं को हल करने का वादा किया है।

हाई रिटर्न का झांसा देकर 10 लाख की ठगी में शामिल तीन जालसाज गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा जिले की साइबर पुलिस ने हाई रिटर्न का झांसा देकर 10 लाख की ठगी करने वाले तीन जालसाजों को पकड़ा है। इनसे मोबाइल, डेबिट कार्ड और डिजिटल सबूत जब्त किये गये। ठगों के नाम सुमित, संदीप और कमल कुमार बताये गये हैं। तीनों रोहिणी के अलग अलग इलाके के रहने वाले हैं। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार अमित कुमार जैन निवासी सुभाष पार्क, शाहदरा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि दिसंबर 2025 में वह एक व्हाट्सएप ग्रुप के संपर्क में आए, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने उन्हें स्टॉक मार्केट में निवेश करने का लालच दिया और ऊंचे व गारंटीशुदा रिटर्न का भरोसा दिलाया। उनके दावों पर भरोसा करके, उन्होंने कुल 10 लाख की राशि निवेश की। हालांकि, भुगतान करने के बाद आरोपियों ने न तो कोई रिटर्न दिया और न ही निवेश की गई राशि वापस की। इसके बाद शिकायतकर्ता को सभी संचार माध्यमों से ब्लॉक कर दिया गया, जिससे यह पुष्टि हो गई कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। जांच के दौरान पता चला कि ठगी गई राशि का एक हिस्सा इंडियन ओवरसीज बैंक के खाते में गई थी।

दिल्ली मेट्रो लिफ्ट और एस्केलेटर की सुरक्षा पर चला रही जागरूकता अभियान सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) सुरक्षित तरीके से लिफ्ट व एस्केलेटर पर चढ़ना तथा सुरक्षा को लेकर यात्रियों को जागरूक कर रही है। डीएमआरसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार डीएमआरसी लिफ्ट, एस्केलेटर और ट्रैवलर से सुरक्षा पर जागरूकता अभियान शुरू किया है जो एक सप्ताह चलेगा। जागरूकता अभियान में भारत में मेट्रो, अपने क्षेत्र में लिफ्ट, एस्केलेटर और ट्रैवलर की सबसे बड़ी ऑपरेटर कंपनी के रूप में जानी जाती है। दिल्ली मेट्रो इस समय अपने पूरे नेटवर्क में 965 लिफ्ट, 1297 एस्केलेटर और 42 ट्रैवलर का संचालन और रखरखाव बेहतरीन तरीके से कर रही है। डीएमआरसी ने बताया कि कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के पास दुनिया में किसी भी मेट्रो स्टेशन पर सबसे ज्यादा एस्केलेटर होने का गौरव प्राप्त है, जहाँ रिकॉर्ड 53 एस्केलेटर संचालित होते हैं। ऐसे में लोगों को लिफ्ट व एस्केलेटर तथा ट्रैवलर से कैसे सुरक्षित रहें और उसका फायदा उठाया जाए यह जानना भी जरूरी है। इसलिए डीएमआरसी ने जागरूक अभियान के तहत यह गतिविधि, लिफ्ट और एस्केलेटर के लिए सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के हिस्से के तौर पर की जा रही है। यह अपनी तरह का एक अनोखा अभियान है। क्योंकि दिल्ली मेट्रो भारत में एकमात्र ऐसी मेट्रो प्रणाली है जो यात्रियों के फायदे के लिए इस तरह का जागरूकता अभियान चला रही है। डीएमआरसी ने बताया कि यह अभियान 7 से 13 अप्रैल 2026 के बीच चल रहा है। अभियान में स्काउट और गाइड स्वयंसेवकों के साथ डीएमआरसी के कर्मचारियों को कुछ स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर के पास तख्तियां लेकर तैनात किया जा रहा है। जिससे कि यात्रियों को इन सुविधाओं के सुरक्षित रूप से इस्तेमाल के बारे में जागरूक किया जा सके। इसके अलावा, ज्यादा भीड़भाड वाले कुछ चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक द्वारा यात्रियों को सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इनके अलावा यात्रियों को इन सुविधाओं के सुरक्षित तरे से इस्तेमाल पर महत्वपूर्ण संदेशों वाले पर्चे भी बांटे जा रहे हैं। डीएमआरसी के अनुसार इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को लिफ्ट और एस्केलेटर के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना, बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और दुर्घटना-मुक्त संचालन के लिए सर्वोत्तम तरीकों को साझा करना है। पहुँच-योग्यता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि बुजुर्ग यात्रियों और दिव्यांगों को उनकी जरूरत के हिसाब से मार्गदर्शन और सहायता मिले। इनमें लिफ्ट को लेकर बताया जा रहा है कि दरवाज़ों से दूर खड़े रहें, अपने हाथ दरवाज़ों पर न रखें, मंज़िल का बटन दबाएँ, अगर लिफ़्ट के दरवाज़े न खुलें, तो अलार्म बटन या इंटरकॉम का इस्तेमाल करें और मदद का इंतज़ार करें, दरवाज़ों को ज़बरदस्ती न खोलें तथा अगर बिल्डिंग में आग लग जाए, तो सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।

शालीमार गांव से हटाने वाले हर परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा या आवास दे सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि शालीमार बाग गांव से हटाने वाले हर परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा या वैकल्पिक आवास दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एक भी परिवार को मुआवजा या वैकल्पिक आवास दिए बिना बेदखल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा शालीमार बाग गांव में मुख्य सड़क को 30 मीटर चौड़ा करने के लिए 157 परिवारों के कब्जे वाले 143 घरों को 30 मई, 2026 तक हटाने का निर्देश देना उन लोगों के लिए बड़ा झटका होगा जो पिछले 30 वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। इससे न केवल सैकड़ों लोग बेघर हो जाएंगे, बल्कि उनकी आजीविका भी छिन जाएगी। क्योंकि वह सभी इस क्षेत्र में सालों से विभिन्न प्रकार के व्यापार और नौकरियों से अपना जीवन यापन करते आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक साल में रेखा गुप्ता सरकार ने जेजे क्लस्टर और अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोगों को बेघर कर दिया है।

ऐसे लोगों के घरों को ध्वस्त कर दिया है और उन्हें न तो कोई आर्थिक मुआवजा दिया और न ही उनके पुनर्वास के लिए कोई वैकल्पिक आवास दिए हैं। यादव ने मांग की कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के गृह विधानसभा क्षेत्र में आने वाले शालीमार बाग गांव से किसी भी परिवार को आर्थिक मुआवजा या वैकल्पिक आवास दिए बिना बेदखल नहीं किया जाना चाहिए। यादव ने कहा कि अधिकांश परिवार शालीमार बाग गांव में 46 मीटर या उससे अधिक या कम आकार के भूखंडों पर 35 वर्षों से अधिक समय से रह रहे हैं, और अधिकांश बड़े परिवारों ने साधारण मकान बनाने में अपनी जीवन भर की कमाई लगा दी है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर इन घरों को बिना पुनर्वासित किए ध्वस्त कर देती है, तो इन गरीब लोगों का जीवन बर्बाद हो जाएगा।

बजट की कमी नहीं जैसे दावों के बीच किसानों को नहीं मिल रहा एमएसपी

किसानों की अनदेखी पर घिर रही भाजपा, दिल्ली देहात में बढ़ी नाराजगी

- भाजपा को किसानों और जनता के बीच जाकर, धरातल पर काम की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किसानों के लिए किए गए वादों पर पर अब सवाल उठने लगे हैं। दिल्ली देहात के कई इलाकों से पार्टी समर्थकों ने दबी जबान में, साथ ही किसानों और आम जनता ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार में अब किसानों और जनता की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना है कि किसी भी मंडल या पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पार्षद, मंत्री या मुख्यमंत्री ने किसानों की वास्तविक स्थिति को समझने की कोशिश नहीं की है। दिल्ली देहात के किसानों के अनुसार, किसान एक तरफ प्राकृतिक आपदाओं की मार झेल रहे हैं, तो दूसरी ओर उनका दिल्ली सरकार की अनाज मंडियों में भी शोषण जारी है, वह भी सरकार की आंखों के सामने। इसके बावजूद सरकार फंड की कमी नहीं जैसे दावों के साथ ही विकास के दावे कर रही है, जो जमीनी हकीकत से मेल नहीं खा रहे हैं।

देहात की कई सीटों पर किसानों ने दिया था समर्थन

भाजपा पार्टी समर्थकों के अनुसार 2025 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली देहात की कई सीटों पर, जहां किसानों का बहुमत है, भाजपा को समर्थन मिला था। लेकिन अब किसानों का आरोप है कि उन्हें गेहूं की फसल का सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तक नहीं मिल रहा, जो सरकार के लिए शर्मनाक स्थिति है और भाजपा समर्थक दिल्ली सरकार के सामने सवाल उठाने में घबरा रहे हैं। किसानों का सवाल है कि क्या भाजपा भविष्य में किसानों से समर्थन की उम्मीद कर सकती है, जब उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा।

दिल्ली सरकार केवल आयोजनों और जश्न में व्यस्त

समर्थकों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि दिल्ली सरकार केवल आयोजनों और जश्न में व्यस्त है। साथ ही जनता का यह भी कहना है कि आम लोगों के काम नहीं हो रहे हैं और दिल्ली सरकार के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है। पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं को संदेश देते हुए समर्थकों ने कहा कि "कम शब्दों में ही बहुत कुछ समझा जा सकता है।"

झुग्गी गिरने से पांच साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के भारत नगर थाना इलाके में शनिवार को एक झुग्गी ठहने से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई जबकि एक 10 साल का बच्चा घायल है। मृतक बच्चे का नाम दिब्यांशु बताया गया है। घायल का नाम रिंकी है।

पुलिस के अनुसार भारत नगर थाने में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें जी-209, जेजे कॉलोनी, वजीरपुर में एक झुग्गी गिरने की सूचना दी गई थी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दो बच्चों को दीप चंद बंधु अस्पताल पहुंचाया।

दिव्यांशु को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि रिंकी का इलाज चल रहा है। क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने भी मौके का मुआयना किया और सबूत इकट्ठा किए। मामले में जांच जारी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रवि शर्मा उर्फ राहुल, पुत्र सत्यबीर शर्मा निवासी मकान नं. 627/3, घेवरा गांव, दिल्ली, गांव और पोस्ट घेवरा, झंडा चौक के पास, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 524/2022 दिनांक 05.07.2022 भा.द.सं. की धारा 379/356/411/34 के तहत, थाना मुंडका, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **रवि शर्मा उर्फ राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **रवि शर्मा उर्फ राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 524/2022 दिनांक 05.07.2022 भा.द.सं. की धारा 379/356/411/34 के तहत, थाना मुंडका, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रवि शर्मा उर्फ राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.06.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-06
कमरा नं.355, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4707/OD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अश्वनी उर्फ अश्वनी, निवासी मकान नंबर 675/1, दूसरी मंजिल, गली नंबर 19-20, जोशी रोड, केंद्रीय दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2373/2022 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना पटेल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी उर्फ अश्वनी** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी उर्फ अश्वनी** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2373/2022 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना पटेल नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अश्वनी उर्फ अश्वनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.05.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंशुल सिंघल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04, (पश्चिम)
कमरा नं. 268, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/4691/CD/2026

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना होगा बेहद सस्ता, सरकार देने जा रही है भारी सब्सिडी

दिल्ली में 1 जनवरी 2027 से केवल ई-ऑटो और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक बाइक चलेंगी : रेखा गुप्ता

खास बातें

- दिल्ली सरकार ने नई ईवी ड्राफ्ट नीति को लोगों की राय के लिए किया सार्वजनिक
- रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत तक छूट, चार्जिंग अवसंरचना का व्यापक विस्तार
- स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 3,954.25 करोड़ रुपए का बड़ा प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना बेहद सस्ता होगा। दिल्ली सरकार ने अपनी नई ईवी नीति में भारी सब्सिडी देने का प्रस्ताव रखा है। सरकार ने इस ईवी नीति ड्राफ्ट नीति को लोगों और संबंधित पक्षों की राय के लिए सार्वजनिक कर दिया। इस प्रस्तावित नीति पर सुझाव देने के लिए सभी हितधारकों को 30 दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद पॉलिसी को अंतिम रूप दिया जाएगा। नीति को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रस्तावित दिल्ली ईवी ड्राफ्ट नीति 2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राजधानी में स्वच्छ, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रस्तावित है। इस नीति के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वित्तीय प्रोत्साहन, कर छूट, अनिवार्य प्रावधान और अवसंरचना विकास पर विशेष जोर दिया गया है। 1 जनवरी 2027 से केवल ई-ऑटो और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक बाइक चलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति के अंतर्गत सभी खरीद प्रोत्साहन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सीधे दिया जाएगा। इसमें वे व्यक्ति, स्वामित्व फर्म, एजेंसियां और कंपनियां शामिल होंगी जो दिल्ली के निवासी हैं और जिनके वाहन दिल्ली में पंजीकृत हैं। लाभार्थी परिवहन विभाग के तय किए गए सिस्टम के जरिए सीधे सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एक्स शोरूम कीमत 2.25 लाख रुपए तक तय की गई है। ऐसे वाहनों पर सब्सिडी तीन चरणों में दी जाएगी। पहले साल 10 हजार रुपए प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 30 हजार रुपये), दूसरे साल 6 हजार 600 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 20 हजार रुपये) और तीसरे साल 3,300 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा (अधिकतम 10 हजार रुपये) तक का प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति में भविष्य के लिए कुछ जरूरी नियम भी तय किए गए हैं। 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में नए रजिस्ट्रेशन के लिए केवल इलेक्ट्रिक तीन पहिया (एल5) वाहन ही मंजूर होंगे। इसके बाद 1 अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि सरकारी बेड़े में भी इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। नीति अधिसूचना के बाद दिल्ली सरकार के अंतर्गत सभी किराए या लीज पर लिए गए वाहन केवल इलेक्ट्रिक होंगे, सिवाय आपातकालीन या विशेष रूप से छूट प्राप्त वाहनों के। इसके अलावा दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और परिवहन विभाग द्वारा शामिल की जाने वाली सभी नई अंतर-राज्यीय बसें भी इलेक्ट्रिक होंगी। परिवहन मंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली ईवी एपेक्स समिति बनाई जाएगी, जो इस नीति के लागू होने और फंड के इस्तेमाल की निगरानी करेगी।

सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति के मसौदे के अनुसार, दिल्ली के स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बस बेड़े का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा दो साल के भीतर इलेक्ट्रिक बसों में परिवर्तित हो जाए। मसौदे के अनुसार, नीति की अधिसूचना के तीसरे वर्ष के अंत तक यह लक्ष्य बढ़कर 20 प्रतिशत और 31 मार्च, 2030 तक 30 प्रतिशत हो जाएगा। यह आदेश पट्टे पर ली गई, स्वामित्व वाली या किराए पर ली गई गाड़ियों सहित संपूर्ण स्कूल बस बेड़े पर लागू होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि यह परिवर्तन सभी प्रकार के संचालन को कवर करता है।

दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2026 का ड्राफ्ट सार्वजनिक कर दिया है। इसे विभाग की वेबसाइट https://transport.delhi.gov.in पर आम जनता और सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध कराया गया है। विभाग ने इस ड्राफ्ट पर सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। इच्छुक लोग अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों के भीतर यानी 10 मई 2026 तक अपने सुझाव भेज सकते हैं। इसके लिए evpolicy2026@gmail.com पर ई-मेल किया जा सकता है या डाक के जरिए संयुक्त आयुक्त (ईवी), परिवहन विभाग, जीएनसीटीडी, 5/9, अंडर हिल रोड, दिल्ली-110054 के पते पर भी भेजा जा सकता है।

तीन पहिया और माल वाहनों को भी मिलेगी सब्सिडी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया (एल5एम श्रेणी) वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पहले साल 50 हजार रुपये, दूसरे साल 40 हजार रुपये और तीसरे साल 30 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, इलेक्ट्रिक चार पहिया माल वाहनों (एन1 श्रेणी) पर पहले साल एक लाख रुपये, दूसरे साल 75 हजार रुपए और तीसरे साल 50 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया (एल5एम श्रेणी) वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पहले साल 50 हजार रुपए, दूसरे साल 40 हजार रुपये और तीसरे साल 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं, इलेक्ट्रिक चार पहिया माल वाहनों (एन1 श्रेणी) पर पहले साल एक लाख रुपये, दूसरे साल 75 हजार रुपए और तीसरे साल 50 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन तय किया गया है।

पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर भी मिलेगा लाभ

रेखा गुप्ता ने बताया कि स्क्रैपिंग प्रोत्साहन के तहत पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने पर नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने वालों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रिक दोपहिया पर 10 हजार रुपए, तीन-पहिया पर 25 हजार रुपए, गैर-परिवहन इलेक्ट्रिक कारों पर 1 लाख रुपये और चार पहिया माल वाहनों पर 50 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका लाभ लेने के लिए जरूरी है कि अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर से प्रमाणपत्र मिलने के छह महीने के भीतर नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी जाए। यह सुविधा दिल्ली में रजिस्टर्ड बीएस-4 और उससे पुराने वाहनों पर लागू होगी। इलेक्ट्रिक कारों के मामले में यह लाभ केवल पहले एक लाख पात्र आवेदकों को मिलेगा और कार की एक्स-शोरूम कीमत 30 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

करों में छूट और हाइब्रिड वाहनों पर राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में व्यापक छूट प्रदान की जाएगी। नीति अवधि के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पंजीकृत सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। 30 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों को 31 मार्च 2030 तक पूर्ण छूट दी जाएगी, जबकि स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों को 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य की इलेक्ट्रिक कारों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।

चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग व्यवस्था को संभालेगा ट्रांसको

चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया जाएगा। यह एजेंसी योजना बनाने, समन्वय करने और काम को लागू करने की जिम्मेदारी संभालेगी। इसके लिए डिजिटल पोर्टल तैयार या जोड़ा जाएगा। इस प्रक्रिया में डीएम, एसडीएम, राजस्व विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय भी सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जिसमें सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

3954.25 करोड़ रुपए का कुल बजट

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी नीति के लिए कुल 3 हजार 954 करोड़ 25 लाख रुपए का बजट तय किया गया है। इसमें 1 हजार 236 करोड़ 25 लाख र रुपये वाहन खरीद पर प्रोत्साहन, 1 हजार 718 करोड़ रुपए स्क्रैपिंग प्रोत्साहन और 1 हजार करोड़ रुपए चार्जिंग ढांचे के विकास पर खर्च किए जाएंगे। खर्च को सालों के हिसाब से भी तय किया गया है।

मेडिकल कार्ड सुविधा के नाम पर काटे जा रहे पैसे, फिर भी कर्मचारी खाली हाथ

- दिल्ली नगर निगम कर्मियों की नाराज़गी बढ़ी, जल्द जारी हों कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम में कार्यरत कर्मियों के साथ एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही सामने आई है। गत वर्ष दिसंबर माह में कर्मियों के वेतन से मेडिकल कार्ड बनवाने के नाम पर निर्धारित राशि तो काट ली गई, लेकिन चार महीने बीत जाने के बावजूद अब तक उन्हें मेडिकल कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इस देरी के चलते कर्मियों में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। कर्मियों का कहना है कि मेडिकल सुविधा उनके लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि बीमारी किसी भी समय आ सकती है। ऐसे में बिना मेडिकल कार्ड के इलाज कराना उनके लिए आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से कठिन हो जाता है। निगम कर्मियों ने सवाल उठाया है कि जब समय पर उनके खाते से पैसा काट लिया गया, तो फिर कार्ड जारी करने में इतनी देरी क्यों हो रही है। उन्होंने निगम आयुक्त से मांग की है कि इस प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द सभी संबंधित कर्मियों को मेडिकल कार्ड उपलब्ध कराए जाएं। निगम कर्मियों का कहना है कि जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो यह न केवल कर्मियों की सेहत पर असर डालेगा बल्कि निगम की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा।

- 250 से एक हजार रुपए काटा जा रहा है मासिक अंशदान

निगम प्रशासन द्वारा जारी संबंधित आदेश के अनुसार हर कर्मचारी का मासिक अंशदान अलग अलग लेवल के अनुसार काटा जा रहा है। जिसमें लेवल 1 से 5 तक के लिए मासिक अंशदान 250 रुपए, लेवल 6 के लिए अंशदान 450 रुपए, लेवल 7 से 11 तक के लिए 650 रुपए और लेवल 12 और उससे ऊपर तक के लिए 1000 रुपए निर्धारित किया गया है।

पंजाबी बाग अंडरपास के पास गंदगी का अंबार

- महीनों से नहीं हुई नाले की सफाई, राहगीर परेशान
- प्रशासन की अनदेखी पर उठ रहे हैं सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग गोल चक्कर के पास रानी बाग रेलवे अंडरपास के साथ स्थित नाले की हालत बद से बदतर हो चुकी है। लंबे समय से सफाई न होने के कारण नाला पूरी तरह कचरे से पट गया है, जिससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस नाले की नियमित सफाई नहीं की जा रही है, जिसके चलते प्लास्टिक, गंदगी और अन्य कचरा जमा होकर जल निकासी को बाधित कर रहा है। यहां आकर साफ देखा जा सकता है कि नाले के किनारे भी कूड़े का ढेर लगा हुआ है और सड़क किनारे का हिस्सा भी टूटा-फूटा व असुरक्षित बना हुआ है। यहां ट्रांसपोर्ट सेंटर आने वाले लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में पैदल यात्रियों का आवागमन है और खुले में पड़े कचरे से मच्छरों और बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने दिल्ली सरकार और नगर निगम से जल्द से जल्द नाले की सफाई कराने और इलाके में नियमित स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक प्रशासन इस समस्या को नजरअंदाज करता रहेगा और लोगों को इस परेशानी से राहत कब मिलेगी।

डीडीए के सहयोग से स्कूल ऑफ़ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट ने आयोजित किया दक्षिणी रिज का अन्वेषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के सहयोग से शनिवार को स्कूल ऑफ़ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट ने एक खास वॉक में दक्षिणी रिज का अन्वेषण किया। वॉक में शामिल छात्र छात्राओं को संजय वन के बारे में गहन जानकारियां साझा की। महरौली क्षेत्र स्थित संजय वन राजधानी में एक ऐसा रिज एरिया है जहां आकर कोई भी विश्वास नहीं करता कि यह भीड़ भाड़ और दम घोटू दिल्ली का ही एक हिस्सा है। वॉक में वन में अंदर तक घूमने के दौरान रंग बिरंगे स्वच्छंद वातावरण में विचरण करते कीट पतंगे, अनेकों किस्म की खूबसूरत व प्रकृति द्वारा भरे गए रंगों में रंगी तितलियां, विभिन्न पक्षियों की चहचहाहट का आनंद लिया। दिल्ली की भगमभाग वाली जिंदगी से एकदम अलग अरावली में बसा जीव जंतुओं का मनमोहक संसार अगल ही कहानी बयान कर रहा है। स्कूल ऑफ़ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट ने कहा कि यहां का वातावरण और नई नई जानकारियां हमारे छात्र छात्राओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। मैनेजमेंट ने कहा कि हम डीडीए के आभारी है कि उन्होंने दिल्ली के इस अहम हिस्से से हमें परिचय कराया और ज्ञान का एक नया भंडार बेहद करीब से देखने, जानने और महसूस करने का अवसर प्राप्त हुआ। वहीं डीडीए का कहना है कि वह समय समय पर ऐसे आयोजनों को करवाने में अग्रणी रहा है। डीडीए ने दिल्ली के लोगों को आह्वान किया कि वह भी अपने परिवार के साथ संय वन आएं और महसूस करें कि राजधानी में एक एक खूबसूरत स्थल भी जिन्हें बस करीब से देखने का समय निकालना है।

अपनी मांगों को लेकर फोरम ने डूटा अध्यक्ष से की मुलाकात

नई दिल्ली। 'फोरम फॉर फुल पास्ट सर्विस काउंट' के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के अध्यक्ष प्रोफेसर वी.एस. नेगी और अन्य पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को एक अहम बैठक की। बैठक में डूटा उपाध्यक्ष भूपिंदर कुमार, संजय कुमार और कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार भी मौजूद रहे। डॉ. अमरेंद्र पांडेय, डॉ. कमला शौकीन, डॉ. दीपिका सिंह और डॉ. जगबीर सिंह के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने 'फुल पास्ट सर्विस काउंट' की मांग को मजबूती से दोहराया। डॉ. विनीत सिन्हा और डॉ. अनिरुद्ध कुमार ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब सीधी भर्ती में पिछली सेवाओं का लाभ मिलता है, तो पदोन्नति में इसे क्यों नकारा जा रहा है? यह मांग पूरी तरह जायज है और मिलनी ही चाहिए। सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद डूटा अध्यक्ष प्रोफेसर वी.एस. नेगी ने स्पष्ट किया कि संगठन इस मुद्दे पर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि हम इस मांग को लेकर सबसे पहले यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय के समक्ष मजबूती से पक्ष रखेंगे। यदि वहां से बात नहीं बनती है, तो हमारे पास अन्य सभी विकल्प (कानूनी और आंदोलनकारी) खुले हैं। वहीं, प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर डूटा नेतृत्व ने इस मामले में विशेषज्ञों से कानूनी सलाह लेने और एक रणनीति तैयार करने पर भी सहमति जताई, ताकि भविष्य में किसी भी प्रशासनिक बाधा को कानूनी रूप से चुनौती दी जा सके।

एमसीडी संपत्तिकर वसूली में बवाना औद्योगिक क्षेत्र ने बनाया नया रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) संपत्तिकर वसूली में बवाना औद्योगिक क्षेत्र ने नया रिकॉर्ड बनाते हुए अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के साथ ही कई जोनों को पीछे छोड़ दिया है। निगम मुख्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में बवाना औद्योगिक क्षेत्र ने संपत्तिकर वसूली में नया रिकॉर्ड कायम किया है। निगम के बवाना औद्योगिक क्षेत्र ने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ 70 करोड़ का लक्ष्य रखा लेकिन मेहनत से 96.17 करोड़ संपत्तिकर अर्जित कर 137.39 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है, जोकि निगम के 12 सर्किलों में से सबसे अधिक है। वहीं, निगम के अन्य जोनों के सर्किल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो नजफगढ़ (सी-04) जोन ने 195 करोड़ का लक्ष्य रखा और 263.71 करोड़ संपत्तिकर अर्जित कर 135.24 प्रतिशत वसूली के साथ प्रदर्शन किया।

कुछ जोन रहे निर्धारित लक्ष्य से काफी पीछे

साथ ही यह भी बता दें कि निगम के कुछ जोन ऐसे भी रहे जो निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। सिटी एसपी (सी-09) जोन मात्र 26.63 प्रतिशत वसूली कर सबसे पीछे रहा, जबकि वेस्ट (सी-03) जोन ने 62.49 प्रतिशत और सिविल लाइंस (सी-10) ने 69.37 प्रतिशत वसूली की। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी अच्छी प्रगति देखने को मिली। नरेला, नारायणा और ओखला इंडस्ट्रियल एरिया ने 100 प्रतिशत के आसपास या उससे अधिक वसूली कर निगम की आय को मजबूत किया।

वसूली में 103.57 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

इसके अलावा सेंट्रल (सी-02) जोन ने 230 करोड़ का लक्ष्य रखा और 278.57 करोड़ संपत्तिकर अर्जित कर 121.12 प्रतिशत वसूली कर लक्ष्य से काफी आगे रहे। साउथ (सी-01) जोन ने भी 88.12 प्रतिशत वसूली करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। सभी जोनों ने निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 1355 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 1403.38 करोड़ रुपये की वसूली कर 103.57 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान, सख्त निगरानी और टैक्सपेयर्स की बढ़ती भागीदारी के चलते इस वर्ष वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, निगम ने कम प्रदर्शन करने वाले जोनों को सुधार के निर्देश दिए हैं ताकि अगले वित्तीय वर्ष में और बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकें।

विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में 50 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र रोहिणी में नागरिक सुविधाओं से जुड़े 50 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचे में स्पष्ट और ठोस बदलाव दिखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सड़कें, जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं सम्मानजनक शहरी जीवन की आधारशिला हैं और इन्हें प्राथमिकता के साथ मजबूत किया जाना चाहिए। ये कार्य रोहिणी के सेक्टर-7 और सेक्टर-8 सहित नाहरपुर गांव में विभिन्न स्थानों पर संचालित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर आवश्यक नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करना है। इन परियोजनाओं में गलियों का निर्माण, पुरानी पानी की पाइप लाइन बदलना और सीवर व नालियों को बेहतर बनाना शामिल है, ताकि लंबे समय से चली आ रही लोगों की समस्याओं का समाधान तय समय में हो सके। गुप्ता ने कहा कि सेक्टर-8 में विभिन्न पॉकेट्स में नई गलियों के निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए, जिससे आंतरिक संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी। इसके साथ ही पॉकेट बी-4 में नालियों के पुनर्निर्माण, पॉकेट ए-1 में आरएमसी सड़कों के पुनर्विकास तथा पॉकेट ए-16 में दो नालों के भीतर जल पाइपलाइनों को बदलकर नया लगाने के कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसके अतिरिक्त, नाहरपुर गांव में दो स्थानों पर सीवर लाइन के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन किया गया, जिससे स्वच्छता एवं जल निकासी की स्थिति में सुधार होगा।

'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' पहल के तहत पीडब्ल्यूडी मंत्री ने दक्षिणी दिल्ली की प्रमुख सड़कों का अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

पहली ही तेज बारिश में जमीन पर दिखनी चाहिए विभाग की तैयारियां : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मानसून की पहली तेज बारिश में ही लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की तैयारियां जमीन पर दिखनी चाहिए। हमारी कोशिश सीधी है पहले समस्या को पहचानों, उसे तुरंत ठीक करो, ताकि बाद में लोगों को परेशानी न हो। यह निर्देश पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को दक्षिणी दिल्ली की प्रमुख सड़कों का निरीक्षण करने के दौरान दिए।

गौरतलब है कि मानसून के करीब आते ही दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार सुबह राजधानी की प्रमुख सड़कों पर जाकर तैयारियों का जमीनी जायजा लिया। 'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' पहल के तहत दक्षिण दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हुए इस निरीक्षण में कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान मंत्री प्रवेश ने अधिकारियों से कहा कि जब आप खुद इन जगहों पर आते हैं, तो स्थिति साफ दिखती है। कहां सुधार हुआ है, कहां काम धीमा है और कहां बारिश के समय दिक्कत आ सकती है। यह सब यहीं समझ में आता है। निरीक्षण के दौरान मूलचंद चौराहा, एम्स चौराहा, छतरपुर मेट्रो क्षेत्र, नेल्सन मंडेला मार्ग, मुनिरका फ्लाईओवर, विवेकानंद मार्ग, बीजे मार्ग सहित कई ऐसे अंडरपास शामिल रहे, जहां हर साल बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है। कई स्थानों पर मंत्री प्रवेश स्वयं गाड़ी से उतरकर नालों की सफाई, चल रहे डीसिल्टिंग कार्य और सड़कों की स्थिति का निरीक्षण करते दिखे। कुछ जगहों पर अधूरी सफाई और संभावित रुकावटें सामने आईं, जिन्हें तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ये छोटी बातें नहीं हैं। अगर नाले की सफाई अधूरी है या कहीं पानी का रास्ता बंद है, तो पूरा इलाका प्रभावित होता है। अभी हमारा पूरा ध्यान इन कमजोर कड़ियों को समय रहते ठीक करने पर है।

अंडरपास पर खास ध्यान दिया जाए

मंत्री प्रवेश ने कहा कि खासतौर पर उन इलाकों पर ध्यान दिया गया जो निचले स्तर पर हैं या जहां अंडरपास हैं -क्योंकि वहां थोड़ी सी तेज बारिश भी जलभराव और यातायात बाधा का कारण बन सकती है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि ऐसे सभी स्थान बारिश के दौरान पूरी तरह चालू रहें।इस दौरान अलग-अलग विभागों की मौजूदगी में कई मुद्दों पर वहीं चर्चा हुई और जिम्मेदारियां तय की गईं, जिससे बाद में देरी की गुंजाइश कम हो।

मंत्री को अधिकांश स्थानों पर काम जारी दिखा

मंत्री प्रवेश ने कहा कि अधिकांश स्थानों पर काम जारी है, लेकिन आने वाले दिनों में उसकी गुणवत्ता और अंतिम निष्पादन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन मार्गों से रोज गुजरने वाले लोगों के लिए यह दौरा एक स्पष्ट संकेत है कि इस बार तैयारियों को लेकर गंभीरता है और टीमों को समय रहते कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

डीसी आयुष सिन्हा ने किया बल्लभगढ़ अनाज मंडी का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने गत सायं बल्लभगढ़ अनाज मंडी का औचक दौरा कर गेहूं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों को दी जा रही सुविधाओं, गेट पास की प्रक्रिया, गेहूं के उठान तथा लिफ्टिंग व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। डीसी ने मंडी में पहुंचकर खरीद कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो तथा खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गेट पास जारी करने की प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में आने वाले वाहनों का समय पर पंजीकरण किया जाए तथा गेट पास तुरंत जारी किए जाएं, ताकि मंडी में भीड़भाड़ की स्थिति न बने। इसके साथ ही उन्होंने गेहूं की तुलाई, भंडारण और उठान व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित एजेंसियों को तेजी से लिफ्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि मंडी में खरीदा गया गेहूं समय पर उठाया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे स्थान की उपलब्धता बनी रहे और किसानों को अपनी फसल उतारने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवहन व्यवस्था को मजबूत रखा जाए और उठान कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, छाया और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर बल्लभगढ़ एसडीएम मयंक भारद्वाज, डीएफएससी कविता परिहार, मार्केट कमेटी के अधिकारी, खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधि, आढ़ती, ट्रांपोर्टर तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिकता

फरीदाबाद। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य ध्येय हर घर तक रसोई गैस की निर्बाध और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों के उचित वितरण को बनाए रखने और इनके अन्य उद्देश्यों में हो रहे विचलन को रोकने के लिए विभाग अत्यंत संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा चलाए जा रहे निरीक्षण अभियानों का मूल उद्देश्य केवल नियमों का पालन करवाना ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना भी है। डीसी सिन्हा ने विश्वास दिलाया कि प्रशासन की सतर्कता से आम नागरिकों को समय पर गैस की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे दैनिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति में कोई बाधा नहीं आएगी। सरकार की इस पहल का केंद्र बिंदु आमजन की सुविधा और वितरण प्रणाली में शुचिता बनाए रखना है।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कविता सिंह परिहार ने बताया कि विभाग ने जन शिकायतों के समाधान के लिए तंत्र को और मजबूत कर दिया है। आंकड़ों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि गत 10 अप्रैल 2026 को टोल-फ्री नंबर पर कुल 7 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 2 का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। शेष 5 शिकायतों पर विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

■ ओवरचार्जिंग और कमर्शियल इस्तेमाल पर लगेगी लगाम, हेल्पलाइन नंबर पर दे जानकारी

उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी गैस की ओवर-रेटिंग (अधिक मूल्य वसूली), जमाखोरी या घरेलू सिलेंडरों का कमर्शियल इस्तेमाल दिखाई दें, तो वे तुरंत जिला हेल्पलाइन नंबर 0129-2288245 पर सूचित करें। इसके अलावा क्षेत्रवार अधिकारी बल्लभगढ़ क्षेत्र के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अजीत सिंह मोबाइल नंबर 9810212115 तथा एनआईटी फरीदाबाद क्षेत्र के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी विनय मुद्गल मोबाइल नंबर 8168792654 को भी सीधे सूचना दी जा सकती है।

मांग के अनुसार उपभोक्ताओं को मिल रही पूरी गैस सप्लाई

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडरों की उपलब्धता पूरी तरह संतोषजनक है तथा वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है। डीसी आयुष सिन्हा ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि गैस आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडरों का संग्रह न करें। प्रशासन द्वारा तेल कंपनियों और गैस वितरकों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही हैए ताकि आपूर्ति व्यवस्था निर्बाध बनी रहे। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कविता सिंह परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि घरेलू, वाणिज्यिक तथा 5 किलोग्राम एफटीएल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति एवं वितरण मांग के अनुसार 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

क्लीनिक में घुसा नाबालिग चोर, हालत बिगड़ी अग्निशमन विभाग ने किया रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के अभयखंड तीन स्थित हर्ट एंड केयर नामक क्लीनिक में चोरी करने घुसा नाबालिग भागते समय शटर में फंस गया। उसकी गर्दन क्लीनिक के बाहर और धड़ अंदर की तरफ रह गया। मामला सुबह करीब छह बजे का है जब नाबालिग क्लीनिक में चोरी करके बाहर भागने की कोशिश कर रहा था। गर्दन फंसने के बाद वह काफी देर तक मशक्कत करता रहा लेकिन नहीं निकल पाया। बाद में फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर इस नाबालिग चोर का रेस्क्यू किया । हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी खोड़ा क्षेत्र का रहने वाला है। उन्होंने बताया किपहले चोर ने खुद ही निकलने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहने पर उसने उसने शोर मचाना शुरू किया। आसपास के लोगों ने देखते ही तुरंत पुलिस और दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब छह घंटे बाद क्लीनिक के दूसरे दरवाजे से अंदर पहुंचकर रेस्क्यू टीम ने शटर को तोड़कर किसी तरह दोपहर करीब एक बजे किशोर को नीचे उतारा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुलपाल ने बताया कि कई घंटे तक केवल गर्दन के सहारे लटका रहने की वजह से किशोर की हालत गंभीर हो गई। उसे गाजियाबाद के संजय नगर स्थित कंबाइंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक उसके परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया है। चिकित्सकों ने हालत खतरे से बाहर बताई है।

जिला कांग्रेस की मासिक बैठक में कई अहम मुद्दें पर हुई चर्चा

फरीदाबाद। जिला कांग्रेस की मासिक बैठक में आज कई अहम मुद्दें उठे। पदाधिकारियों ने जहां किसानों की फसल व बढ़े टोल टैक्स पर चिंता जताई। वहीं स्थानीय मुद्दों को भी पदाधिकारियों ने गंभीरता से उठाया। सैक्टर-9 स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस मासिक बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने की। बैठक का संचालन जिला संगठन महासचिव अशोक रावल ने किया। बैठक में सर्वप्रथम कांग्रेस की राष्ट्रीय नेता एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव रही पूर्व मंत्री मोहसिना किदवई के निधन पर भी दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता जगत सिंह नागर ने कहा कि जब तक बूथ स्तर पर संगठन मजबूत नहीं होगा। जब तक कार्यकर्ताओं में जोश नहीं आएगा। वहीं फतेह सिंह डांगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करना चाहिए।

एक अप्रैल 2024 की लागू मासिक किराए दरों में शहर को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

महापौर सुनीता दयाल व नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने शनिवार को एक प्रेसवार्ता में सम्पत्ति कर में राहत देने की घोषणा की। मुरादनगर विधायक अजित पाल व मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सुनील राय भी इस मौके पर मौजूद थे।

नगर निगम मुख्यालय पर प्रेस वार्ता में हाउस टैक्स में शहर को राहत देते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर योजना साझा की गई, महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि 10 वर्ष तक पुराने भवनों पर निर्धारित ए आर वी पर 25 प्रतिशत की छूट, 10 वर्ष से अधिक 20 वर्ष तक पुराने भवनों की निर्धारित ए आर वी पर 32.5प्रतिशतकी छूट, 20 वर्ष से पुराने भवन पर 40 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी बताया गया1 इसके अलावा ऑनलाइन हाउस टैक्स जमा करने पर 2प्रतिशत की छूट मिलेगी और कूड़ा प्रथक्करण के लिए 100 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी निगम द्वारा दी जाएगी, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा दी जाने वाली 20प्रतिशत की छूट को 3 महीने तक बढ़ाया गया है, 12प्रतिशत ब्याज जो की 3 महीने तक नहीं लगेगा यह भी शहर वासियों को राहत देने के क्रम में बताया गया1

नगर आयुक्त दने प्रेजेंटेशन देते हुए शासन के निर्देश के क्रम में हाउस टैक्स पर दी गई राहत के बारे में विस्तार से बताया । 2024 से पूर्व की दरों के आधार पर निर्धारित टैक्स से वर्तमान की जो दर लागू की जा रही है उस पर समस्त छूट देने के बाद जो टैक्स आवासीय भवन पर निर्धारित है वह लगभग 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि होगा बताया गया, करदाता सभी छूट का लाभ लेते हुए 10 से 15प्रतिशत वृद्धि के साथ अपना टैक्स जमा कर सकते हैं, इसके अलावा बिना छूट लिए हाउस टैक्स में केवल 20प्रतिशत की वृद्धि है, साथ यह भी स्पष्ट किया गया की जिनके द्वारा अपना हाउस टैक्स जमा कर दिया गया है उनको आगे 3 वर्षों में समायोजित करते हुए कम हाउस टैक्स ही जमा करना होगा1 नगर आयुक्त द्वारा टैक्स विभाग के सभी अधिकारियों व टीम को शासन के निर्देश के क्रम में कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए 1

■ 2024 से पूर्व की दरों के आधार पर निर्धारित टैक्स से छूट के बाद आवासीय भवनों पर निर्धारित टैक्स में केवल 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि

विधायक अजीत पाल त्यागी ने राहत के साथ शहर हित में संपत्ति करदाताओं को शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए हाउस टैक्स जमा करने के लिए अपील की गई।

उधर महानगर उद्योग व्यापार मंडल, गाजियाबाद द्वारा महानगर अध्यक्ष गोपीचंद एवं महानगर महामंत्री अशोक चावला के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा प्रस्तावित अत्यधिक हाउस टैक्स वृद्धि (लगभग 300प्रतिशत तक) के विरोध में चलाए गए निरंतर संघर्ष के दी गयी राहत के लिए आभार जताया।

प्रशासन को सीधे जनता के द्वार पहुंचाना ही सरकार का मुख्य संकल्पः फागना

फरीदाबाद। एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन-कल्याणकारी विजन को धरातल पर उतारते हुए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे रात्रि ठहराव कार्यक्रम आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशानुसार प्रशासन अब स्वयं जनता के द्वार पर पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित निपटारा सुनिश्चित कर रहा है। एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना ने गत रात्रि गांव पावटा में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ उपायुक्त आयुष सिन्हा, एडीसी अंजलि श्रोत्रिया भी मौजूद रही। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत की तरफ से सभी का फूल माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर अधिकारियों का स्वागत किया गया। विधायक सतीश फागना ने कहा कि सरकार बुजुर्गों की पेंशन संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कर रही है और शेष लंबित मामलों का भी जल्द निस्तारण कर दिया जाएगा। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के विजन पर जोर देते हुए उन्होंने उन्हें जैविक खेती, मछली पालन और अन्य कृषि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सेतु का कार्य करें। विधायक सतीश फागना ने क्षेत्र में हो रहे बुनियादी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सडकों, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास बिना किसी भेदभाव के समान रूप से और तीव्र गति से जारी है।

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **निकिता** पत्नी तहसीलदार, निवासी मकान नंबर 30, गली नंबर 1, गाजीपुर ईस्ट, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 349/16 धारा 411 भा.द.स., थाना गोकलपुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **निकिता** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **निकिता** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 349/16 धारा 411 भा.द.स., थाना गोकलपुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्ता **निकिता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **14.05.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री श्रुति सारस्वत,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03, (उत्तर–पूर्व)
कमरा नं. 22, प्रथम तल,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4715/NE/2026

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2026

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी :–

04212/04211 सुलतानपुर – लोकमान्य तिलक (ट) – सुलतानपुर आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 04212		स्टेशन	गाड़ी सं. 04211	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:00	सुलतानपुर	23:00	---
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	14:35

चलने के दिन : **04212** सुलतानपुर से दिनांक **20.05.2026** से **15.07.2026** (प्रत्येक बुधवार) तथा **04211** लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक **21.05.2026** से **16.07.2026** (प्रत्येक गुरुवार) को।
ठहराव : लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पाचोरा जं., चालीसगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य

04226/04225 वाराणसी जं. – लोकमान्य तिलक (ट) – वाराणसी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 16 फेरे

गाड़ी सं. 04226		स्टेशन	गाड़ी सं. 04225	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	01:35	वाराणसी जं.	02:05	---
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	14:35

चलने के दिन : **04226** वाराणसी जं. से दिनांक **21.05.2026** से **09.07.2026** (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04225** लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक **22.05.2026** से **10.07.2026** (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : जौनपुर सिटी, सुलतानपुर, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पाचोरा जं., चालीसगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य

04070/04069 आनंद विहार (ट) – शेखपुरा – आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 52 फेरे

गाड़ी सं. 04070		स्टेशन	गाड़ी सं. 04069	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	00:20	आनंद विहार (ट)	23:20	---
23:30	---	शेखपुरा	---	00:30

चलने के दिन : **04070** आनंद विहार (ट) से दिनांक **17.04.2026** से **14.07.2026** (प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार) तथा **04069** शेखपुरा से दिनांक **18.04.2026** से **15.07.2026** (प्रत्येक शनिवार एवं बुधवार) को।
ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेन्द्र नगर टर्मिनल, बख्तियारपुर जं., बिहार शरीफ जं. एवं अस्थावाँ स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.

04620/04619 फिरोज़पुर कैंट – झंझारपुर – फिरोज़पुर कैंट आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04620		स्टेशन	गाड़ी सं. 04619	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:30	फिरोज़पुर कैंट जं.	10:40	---
23:30	---	झंझारपुर जं.	---	01:00

चलने के दिन : **04620** फिरोज़पुर कैंट जं. से दिनांक **18.04.2026** से **23.05.2026** (प्रत्येक शनिवार) तथा **04619** झंझारपुर जं. से दिनांक **20.04.2026** से **25.05.2026** (प्रत्येक सोमवार) को।
ठहराव : लोहियां खास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंडारी कलां, सरहिंद जं., राजपुरा जं., अम्बाला कैंट जं., बराड़ा, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., रुड़की, नज़ीबाबाद जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहाँपुर जं., सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनियां, सीतामढ़ी जं., शिशो जं. एवं सकरी जं. स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

04064/04063 नई दिल्ली जं. – गया जं. – नई दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 98 फेरे

गाड़ी सं. 04064		स्टेशन	गाड़ी सं. 04063	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	11:00	नई दिल्ली जं.	08:10	---
07:15	---	गया जं.	---	09:15

चलने के दिन : **04064** नई दिल्ली जं. से दिनांक **15.04.2026** से **14.07.2026** (दिनांक 21.05.2026, 23.05.2026 एवं 25.05.2026 को छोड़कर) (सोम, बुध, गुरु, शनि) तथा **04063** गया जं. से दिनांक **16.04.2026** से **15.07.2026** (दिनांक 22.05.2026, 24.05.2026 एवं 26.05.2026 को छोड़कर) (मंगल, गुरु, शुक्र, रवि) को।
ठहराव : टुण्डला, गोविंदपुरी, सूबेदार गंज, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन एवं अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04066/04065 आनंद विहार (ट) – खोरधा रोड – आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 04066		स्टेशन	गाड़ी सं. 04065	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	00:30	आनंद विहार (ट)	03:40	---
11:30	---	खोरधा रोड	---	15:30

चलने के दिन : **04066** आनंद विहार (ट) से दिनांक **20.04.26** से **11.05.26** (प्रत्येक सोमवार) तथा **04065** खोरधा रोड से दिनांक **21.04.26** से **12.05.26** (प्रत्येक मंगलवार) को।
ठहराव : गाज़ियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदार गंज, मिर्ज़ापुर, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, आद्रा, बाँकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर, हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड़, कटक एवं भुवनेश्वर स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04185/04186 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी – आसनसोल – वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 46 फेरे

गाड़ी सं. 04185		स्टेशन	गाड़ी सं. 04186	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	09:20	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	19:10	---
20:45	20:50	वाराणसी जं.	06:35	06:40
14:30	---	आसनसोल	---	17:10

चलने के दिन : **04185** वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से दिनांक **28.06.2026** तक (प्रत्येक रविवार एवं बुधवार) तथा **04186** आसनसोल से दिनांक **29.06.2026** तक (प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार) को।
ठहराव : उरई, पुखरायाँ, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, किऊल जं., झाझा, जसीडीह, मधुपुर जं. एवं चितरंजन स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान, द्वितीय श्रेणी एवं सामान्य

04127/04128 कानपुर सेंट्रल – गुवाहाटी – कानपुर सेंट्रल विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04127		स्टेशन	गाड़ी सं. 04128	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:00	कानपुर सेंट्रल	07:30	---
13:45	13:50	वाराणसी जं.	23:05	23:15
19:00	---	गुवाहाटी	---	22:00

चलने के दिन : **04127** कानपुर सेंट्रल से दिनांक **16.04.2026** से **14.05.2026** तक (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04128** गुवाहाटी से दिनांक **17.04.2026** से **15.05.2026** तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : फतेहपुर, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी, नवगछिया, कटिहार, बारसोई जं., किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बंगाईगाँव, बरपेटा रोड, रंगिया एवं कामाख्या स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

01491/01492 पुणे जं. – ह. निज़ामुद्दीन – पुणे जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 22 फेरे

गाड़ी सं. 01491		स्टेशन	गाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	17:30	पुणे जं.	23:55	---
18:30	---	ह. निज़ामुद्दीन	---	21:25

चलने के दिन : **01491** पुणे जं. से दिनांक **17.04.2026** से **10.07.2026** (दिनांक 22.05.2026 को छोड़कर) प्रत्येक शुक्रवार तथा **01492** ह. निज़ामुद्दीन से दिनांक **18.04.2026** से **11.07.2026** (दिनांक 23.05.2026 को छोड़कर) प्रत्येक शनिवार को।
ठहराव : लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर एवं मथुरा स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

09523/09524 ओखा – शकूर बस्ती – ओखा सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 09523		स्टेशन	गाड़ी सं. 09524	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:20	ओखा	13:00	---
10:35	---	शकूर बस्ती	---	13:15

चलने के दिन : **09523** ओखा से दिनांक **14.04.26** से **30.06.26** (प्रत्येक मंगलवार) तथा **09524** शकूर बस्ती से दिनांक **15.04.26** से **01.07.26** (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट जं., वांकानेर, सुरेन्द्रनगर, विरामगाम जं., महेसाना जं., ऊंझा, सिद्धपुर, पालनपुर ज., आबू रोड, फालना, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बाँदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

04086/04085 मेरठ सिटी जं. – संतरागाछी जं. – मेरठ सिटी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 04086		स्टेशन	गाड़ी सं. 04085	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:00	मेरठ सिटी जं.	17:30	---
06:35	---	संतरागाछी जं.	---	14:00

चलने के दिन : **04086** मेरठ सिटी जं. से दिनांक **14.04.2026** तथा **04085** संतरागाछी से दिनांक **16.04.2026** को।
ठहराव : हापुड़ जं., खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, महुदा जं., भोजूडीह जं., आद्रा, बांकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर, खड़गपुर एवं पाँशकुड़ा जं. स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04679/04680 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – श्रीनगर – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा आरक्षित विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 04679		स्टेशन	गाड़ी सं. 04680	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:05	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	19:00	---
13:35	---	श्रीनगर	---	15:10

चलने के दिन : **04679** श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा तथा **04680** श्रीनगर से प्रतिदिन दिनांक **15.04.2026** तक।
ठहराव : रियासी, संगलदान एवं बनिहाल स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

05048/05047 बनारस – कोलकाता – बनारस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 06 फेरे

गाड़ी सं. 05048		स्टेशन	गाड़ी सं. 05047	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:45	बनारस	04:15	---
10:55	11:00	वाराणसी जं.	03:45	03:50
06:15	---	कोलकाता	---	08:25

चलने के दिन : **05048** बनारस से दिनांक **14.04.2026** से **28.04.2026** (प्रत्येक मंगलवार) तथा **05047** कोलकाता से दिनांक **15.04.2026** से **29.04.2026** (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : वाराणसी, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, रेवती, सुरेमनपुर, छपरा, दिघवारा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान, बैण्डेल एवं नैहाटी स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी

09195/09196 प्रतापनगर – मऊ जं. – प्रतापनगर सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 31 फेरे

गाड़ी सं. 09195		स्टेशन	गाड़ी सं. 09196	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	16:00	प्रतापनगर	03:15	---
15:40	15:45	वाराणसी जं.	02:15	02:20
18:00	---	मऊ जं.	---	23:25

चलने के दिन : **09195** प्रतापनगर से दिनांक **25.07.26** तक (प्रत्येक शनिवार) तथा **09196** मऊ जं. से दिनांक **12.04.26** से **26.07.26** (प्रत्येक रविवार) को।
ठहराव : वडोदरा जं., गोधरा, दाहोद, रतलाम जं., कोटा जं., गंगापुर सिटी, बयाना जं., रूपबास, आगरा कैंट, फतेहाबाद, बाह, इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी एवं औंड़िहार जं.।
स्थान : प्रथम वाता, 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

09271/09272 भावनगर (ट) – हरिद्वार – भावनगर (ट) विशेष रेलगाड़ी विशेष किराये पर (साप्ताहिक) — 16 फेरे

गाड़ी सं. 09271		स्टेशन	गाड़ी सं. 09272	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:25	भावनगर (ट)	04:35	---
15:00	---	हरिद्वार	---	16:25

चलने के दिन : **09271** भावनगर (ट) से दिनांक **12.04.26** से **31.05.26** (प्रत्येक रविवार) तथा **09272** हरिद्वार से दिनांक **13.04.26** से **01.06.26** तक (प्रत्येक सोमवार) को।
ठहराव : सिहोर गुजरात, धोला जं., बोटाद जं., सुरेन्द्रनगर गेट, वीरमगाम जं., अम्बली रोड, गांधीनगर कैपिटल, महेसाना जं., पालनपुर जं., आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़, लूनी जं., जोधपुर जं., गोटन, मेड़ता रोड जं., डेगाना जं., छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़ जं., चूरू, सादुलपुर जं., सिवानी, हिसार, भिवानी जं., कलानौर कलां, रोहतक जं., पानीपत जं., अंबाला कैंट जं., सहारनपुर जं. एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

बिहार में सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पाबंदी

पटना (भाषा)। बिहार सरकार ने शनिवार को सरकारी अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की एक अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय राज्य के प्रमुख कार्यक्रम 'सात निश्चय-3' (2025-30) के तहत लिया गया है। सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन/" संकल्प के तहत राज्य सरकार ने सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने का फैसला किया है। विभाग ने यह भी बताया कि सरकारी चिकित्सकों के लिए गैर-प्रैक्टिस भत्ता (एनपीए) के माध्यम से मुआवजे से संबंधित अलग दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जो सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी पर निर्भर होंगे। यह प्रावधान राज्य के सभी सरकारी चिकित्सकों और सरकारी अस्पतालों के संकाय सदस्यों पर लागू होगा।

झारखंड में 25 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, 2 गिरफ्तार

मेदिनीनगर/चतरा (भाषा)। झारखंड पुलिस ने शनिवार को पलामू और चतरा जिलों से 2.55 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पलामू जिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से 1.25 करोड़ रुपये मूल्य की चूरा पोस्त जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को नौदिहा पुलिस थाने के अंतर्गत जवार गांव के पास वन क्षेत्र में मिली सूचना के आधार पर खेप को जब्त कर लिया गया।

रक्षा मंत्री ने गोमतीनगर में जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव को संबोधित किया

माफियाओं का गढ़ माना जाने वाला उत्तर प्रदेश अब संतों और संन्यासियों का गढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि एक समय था कि उत्तर प्रदेश माफियाओं का गढ़ बन गया था, लेकिन अब यह संतों और संन्यासियों का गढ़ माना जाता है। राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ के गोमतीनगर में जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'डबल इंजन' की सरकारों के विकास कार्य की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि दोनों ने यहां के लिए जो किया है, वह किसी को बताने की आवश्यकता नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''एक समय था कि उप्र माफियाओं का गढ़ था, लेकिन आज उप्र संतों और संन्यासियों का गढ़ हो गया है।'' सिंह ने कहा, ''एक समय उप्र को बीमारू प्रदेश कहा जाता था, अब कहीं भी चले जाइए तो लोग कहते हैं कि एक हद तक उप्र उत्तम प्रदेश बन गया है।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''दुनिया वैश्विक संकट से गुजर रही है लेकिन इस दौर में भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था भारत की है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है।'' उन्होंने महिलाओं से मुखातिब होते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में कहना चाहता हूं कि संसद-विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा और इसके लिए संसद का विशेष सत्र आयोजित होने जा रहा है।

सिंह ने यह भी भरोसा दिया कि ''हमारी सरकार के रहते देश में कोई बड़ा संकट पैदा नहीं होगा। कोविड का जब हमने सामना कर लिया तो जो भी पश्चिम एशिया में चल रहा है उसका सामने करने को तैयार हैं। विश्व बैंक ने कहा कि भारत संकट का सामना करने में सक्षम है।'' लखनऊ के सांसद के रूप में यहां किये गये कार्यों और प्रस्तावित कार्यों की चर्चा करते हुए सिंह ने कहा कि ''लखनऊ की पहचान, उसकी तहजीब और गंगा जमुनी संस्कृति रही है। हालांकि आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी विरासत को भूलते जा रहे हैं।'' उन्होंने हुसैनाबाद के संग्रहालय की चर्चा करते हुए कहा कि संग्रहालय के जरिये अवध के गौरव और मिली जुली संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का ऐतिहासिक कदम है। भारतीय जनता पार्टी के नेता ने कहा कि यह तमाम परिवर्तन उप्र की जनता के आशीर्वाद और 'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों से हो रहे हैं।

नया कॉरिडोर बनेगा, जिससे रोजगार और विकास होगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ''किसी भी शहर की तरक्की के लिए इसके आधारभूत ढांचे का मजबूत होना बहुत जरूरी है और हमने इसके विकास पर ज्यादा ध्यान दिया है। हालांकि मैं संतुष्ट नहीं हूं, अभी बहुत से काम करने हैं।'' रक्षा मंत्री ने पूर्व में लखनऊ की सड़कों की चर्चा करते हुए कहा कि पहले लखनऊ से बाहर निकलते ही सड़कें संकरी और जाम से भरी मिलती हैं लेकिन अब चार रास्तों का उच्चीकरण किया गया है और अब रास्ते चौड़े और सुरक्षित मिलेंगे। कुछ ही दिनों में लखनऊ-कानपुर सड़क का उद्घाटन होगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ की प्रगति के लिए आसपास के इलाकों का भी विकास बहुत जरूरी है क्योंकि जब तक आस पास का विकास नहीं होगा तो लखनऊ का विकास नहीं होगा। सिंह ने लोगों को एक सड़क परियोजना की जानकारी देते हुए कहा कि लखनऊ में राजमार्ग बाराबंकी से शुरू होकर बहराइच तक 101 किलोमीटर लंबा चार लेन मार्ग बनेगा और इसकी सर्विस रोड भी बनेगी। उन्होंने कहा कि इस पर सात हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे और फायदा यह होगा कि बाराबंकी से ढाई घंटे में बहराइच पहुंचने वाला सफर सवा घंटे का हो जाएगा। यह राज्य राजधानी क्षेत्र का नया कॉरिडोर बनेगा जिससे रोजगार और विकास होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ रक्षा के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर योगदान देने के लिए तैयार है। अब लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण शुरू हो गया है और गर्व की बात है कि उसकी पहली खेप सेना को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ रक्षा उपकरणों से जुड़े कई छोटे बड़े कारखाने स्थापित होने वाले हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसको जमीन देने की सहमति दी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ''लखनऊ का विकास, बेहद सुनियोजित योजना के तहत चल रहा है। यह विकास की गंगा है जिसकी धारा में गरीब का, व्यापारी का, बुजुर्ग का और नौजवान का, सबका कल्याण समाया है। हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि लखनऊ वासियों का रहन-सहन सुख-सुविधाओं से सम्पन्न और परिपूर्ण रहे।''

फुले के संघर्ष ने लाखों के जीवन में नई रोशनी जलाई: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''महान समाज सुधारक, शोषितों और वंचितों के प्रखर स्वर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।/" उन्होंने कहा, ''फुले ने हमें सिखाया कि समाज तब आगे बढ़ता है, जब हर व्यक्ति को शिक्षा, सम्मान और अवसर मिलते हैं। उनके संघर्ष ने लाखों लोगों के जीवन में नई रोशनी जलाई।'' आइए, उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए एक समतामूलक और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लें।/" उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए उसे /"पापी/" करार दिया और कहा कि भविष्य में वह और टुकड़ों में बंटने वाला है। मुख्यमंत्री ने यहां मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र के मियांपुर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

बिहार के कटिहार में कई वाहनों के आपस में टकराने से 13 की मौत, 30 घायल

कटिहार (बिहार)। बिहार के कटिहार जिले में शनिवार शाम बस, ट्रक और पिकअप वैन की आपस में हुई टक्कर में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। एसपी ने पत्रकारों को बताया कि कटिहार के कोढ़ा प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 31 पर शाम साढ़े छह बजे यह दुर्घटना हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। हालांकि शुरुआती जानकारी में दुर्घटना में सात लोगों की मौत बताई गई थी, लेकिन घायल हुए छह लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पेज एक का शेष

यूजीसी सचिव प्रोफेसर ...

मूल विभाग में कर दी गई है। शनिवार (11 अप्रैल) को आयोग में उनका अंतिम कार्य दिवस होगा और इसके बाद वह अवकाश पर चले जाएंगे। 25 अप्रैल से प्रोफेसर जोशी को औपचारिक रूप से कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। पूर्व में यूजीसी सचिव के रूप में उनका कार्यकाल कुल पांच वर्ष का था और अभी उसके लगभग तीन साल बाकी बचे हुए थे। 2023 में उन्होंने इस महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी संभाली थी और 3 फरवरी 2028 को उन्हें सेवानिवृत्त होना था।

समता विनियम-26 का सार : गौरतलब है कि प्रोफेसर मनीष जोशी ने जिन समता विनियम-26 को अपने स्तर पर ही इस साल जनवरी महीने में लागू करने के लिए अधिसूचित कर दिया था। उन्हें दो युवा छात्रों, रोहित वेमुला और पायल तड़वी की मौत के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर तैयार किया गया था। नियमों का उद्देश्य उच्च-शिक्षण संस्थानों जैसे विश्वविद्यालयों में धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार होने वाले भेदभाव को समाप्त करना था। नए नियम आयोग द्वारा 2012 में बनाए गए नियमों की जगह लेते। जिनसे अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और विकलांग व्यक्तियों को तमाम तरह के भेदभाव से सुरक्षा प्रदान की जानी थी। नियमों के लागू होने के साथ ही उच्च-शिक्षण संस्थानों में एक समता अवसर केंद्र, समता समिति और समता समूह का गठन किया जाना था।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया दखल : विरोध-प्रदर्शनों के बीच रोहित वेमुला और पायल के परिजनों ने शीर्ष न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। जिसके बाद न्यायालय ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए यूजीसी को पुनः 2012 के पुराने नियमों को लागू करने का निर्देश दिया। वहीं, दूसरी ओर इस संवेदनशील मामले को लेकर जब प्रोफेसर जोशी ने सरकार से पूर्व विमर्श के ही इन नियमों को अधिसूचित कर दिया था। तब यह पूरा विवाद उठ खड़ा हुआ। बीच में न्यायालय की पुराने नियमों की फिर से बहाल की तल्ख टिप्पणी भी आई। जिसकी वजह से सरकार की सार्वजनिक रूप से काफी किरकिरी हुई।

दो संस्थानों में बनी शीर्ष पदों पर रिक्ति: यूजीसी सचिव के इस्तीफे बाद अब देश में उच्च और तकनीकी शिक्षा से जुड़े हुए दो प्रमुख नियामक संस्थान पूर्णकालिक अध्यक्ष विहीन हो गए हैं। पहले अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद में पूर्णकालिक अध्यक्ष का पद रिक्त था। लेकिन अब इस सूची में यूजीसी का नाम भी शामिल हो गया है। ज्यादा चिंता यूजीसी के संबंध में है। क्योंकि वहां पर स्थायी पूर्णकालिक अध्यक्ष के साथ ही सचिव का पद रिक्त है। 2025 में प्रो.एम.जगदीश कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद से यूजीसी अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने उच्च-शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी को आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

विवाद शांत होने के ...

संवेदनशील मामले पर विचार-विमर्श की मुद्रा में थी। नतीजा यह हुआ कि अधिसूचना जारी होते ही पहले सोशल मीडिया और उसके बाद बड़ी तादाद में छात्रों (सामान्य वर्ग शामिल) और अध्यापकों ने आयोग और सरकार के खिलाफ एकजुट होकर सड़कों पर विरोध करना शुरू कर दिया। इन सबके बीच मामला सर्वोच्च न्यायालय तक जा पहुंचा। जिससे कुल मिलाकर सरकार के लिए असहज करने वाली स्थिति उत्पन्न हो गई। वर्तमान समय में ये मुद्दा फिलहाल शांत हो गया था। लेकिन इसके कारण हुई फजीहत सरकार के मन में घर कर गई। परिणाम अंततः प्रोफेसर मनीष के इस्तीफे के रूप में सामने आया है।

इस्तीफे के पीछे वजह ...

उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मूल रूप से वह महाराष्ट्र से ताल्लुक रखते हैं। सत्ता के गलियारों में उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक करीबी के तौर पर देखा जाता था। यही कारण रहा कि वर्ष 2023 में उनकी यूजीसी सचिव के पद पर नियुक्ति की गई थी। लेकिन उक्त विवाद सामने आने के बाद आरएसएस ने भी उनसे दूरी बना ली थी।

हमले में मारे गए स्कूली...

बीच 3 दौर की बात हो चुकी है। अमेरिका का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान का नेतृत्व संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार है जब दोनों देश इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। शांति वार्ता अब तकनीकी चरण में प्रवेश कर गई है। यह संकेत देता है कि शुरुआती स्तर पर कुछ मुद्दों पर सहमति बनी है और अब विशेषज्ञ स्तर पर विस्तार से चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, जटिल मुद्दों पर चर्चा पूरी करने के लिए वार्ता को एक दिन और बढ़ाया जा सकता है। यह चरण तय करेगा कि समझौता अंतिम रूप ले पाएगा या नहीं। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी। गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। ईरान ने पूछा है कि इन बच्चों के गुनहगार को सजा कौन देगा?

ईरानी राजदूत बोले बैठक का मकसद गैर कानूनी जंग रोकना: पाकिस्तान में मौजूद ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोघदाम ने अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हो रही बातचीत का मकसद ईरान के खिलाफ चल रही गैरकानूनी जंग खत्म करना है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध सिर्फ ईरान के खिलाफ अपराध नहीं है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र और दुनिया की सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अमेरिका, पाकिस्तान की मध्यस्थता का सम्मान करेगा या नहीं, यह अभी देखना बाकी है।

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता में चीन भी शामिल होगा : अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में चल रही शांति वार्ता में अब चीन भी शामिल हुआ है। खबर है कि चीन का एक प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच रहा है, जो पाकिस्तान की मध्यस्थता में मदद करेगा। माना जा रहा है कि अगर दोनों देशों के बीच कोई समझौता होता है, तो चीन उसमें गारंटी देने की भूमिका भी निभा सकता है।

ईरान बोला- लेबनान में सीजफायर जरूरी, ये बातचीत भी जंग का हिस्सा : ईरान ने साफ कहा है कि लेबनान में सीजफायर होना बहुत जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने बताया कि यह बात पाकिस्तान को भी बता दी गई है, जो अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत करवा रहा है। उन्होंने कहा कि जब ईरान का डेलिगेशन पाकिस्तान के नेताओं से मिला, तो लेबनान में लड़ाई रोकने की बात सबसे पहले उठाई गई। ईरान चाहता है कि वहां के हमले जल्द से जल्द बंद हों।

जयशंकर पहुंचे यूएई ...

पीएम के निर्देश पर हो रही यात्राः यहां बता दें कि डॉ. जयशंकर की यह यूएई यात्रा दो दिवसीय होगी। जो 11 से 12 अप्रैल तक चलेगी। इसके पूर्व में उन्होंने 9 से 10 अप्रैल तक हिंद-महासागर क्षेत्र में स्थित भारत के एक अहम भागीदार देश मॉरीशस की यात्रा की थी। विदेश मंत्री के अलावा केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह ने भी खाड़ी क्षेत्र के भारत के जरूरी ऊर्जा साझेदार देश कतर का दौरा किया है। बीते दिनों राजधानी में हुई प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि दोनों केंद्रीय मंत्रियों की खाड़ी की यह यात्राएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की जा रही हैं। जिसका उद्देश्य संकट के समय में देश की ऊर्जा, व्यापार और भारतीयों की सुरक्षा को हर हाल में चाक-चौबंद बनाए रखना है।

यूएई की सरकार का जताया आभार : जयशंकर ने पोस्ट के जरिए यह भी बताया कि युद्ध के जटिल हालातों के बीच स्थानीय समाज में भारतीयों के योगदान की सराहना की। इसके अलावा देश के लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए यूएई की सरकार द्वारा प्रदान किए गए समर्थन की भी प्रशंसा की है।

ईरान से भारत पहुंचे 312 मछुआरे: विदेश मंत्री ने एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में बताया कि ईरान से आर्मेनिया होते हुए 312 और मछुआरे सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं, आर्मेनिया की सरकार और मेरे मित्र विदेश मंत्री अरारात मिर्जोयान के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। बीते 4 अप्रैल को जयशंकर ने कहा था कि ईरान से आर्मेनिया होते हुए 345 भारतीय मछुआरों का पहला बैच सुरक्षित चेन्नई पहुंच गया है।

क्या मध्यस्थता के नाम पर ...

कर दी है। जिसे भारत के सैन्य और कूटनीतिक हलकों में पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता के नाम पर ईरान के साथ की जा रही धोखाधड़ी का नाम दिया जा रहा है। मामला बेहद संवेदनशील है। क्योंकि इससे समूचे क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य के साथ-साथ क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर भी प्रभाव पड़ेगा। जिसकी जद में गाहे-बगाहे नई दिल्ली भी आएगी। इन सबके बीच भारत की तरफ से इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पाकिस्तान के इस कदम के बाद सऊदी अरब से उसे वित्तीय मदद मिलेगी। जिससे वह दुनियाभर से लिए हुए अपने कर्ज के बोझ को कम करने की कोशिश करेगा।

रक्षा समझौता बना तैनाती का आधार : पाकिस्तान द्वारा खाड़ी देश में शनिवार को की गई लड़ाकू विमानों की तैनाती की पुष्टि सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में की है। जिसमें हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि पाकिस्तानी विमानों की कुल संख्या कितनी है। लेकिन पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और उनके साथ कुछ सैनिकों के दस्ते के पहुंचने की जानकारी दी गई है। जबकि पाकिस्तान ने इस संबंध में अब तक कुछ नहीं कहा है। दोनों देशों के बीच कुल करीब 75 साल बाद सितंबर-2025 में रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता हुआ था। जिस पर सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए। समझौते के बाद दोनों ने एक-दूसरे को सुरक्षा गारंटी दी हुई है। मिसाल के तौर पर पाकिस्तान या सऊदी अरब में से किसी पर भी दुनिया के किसी देश द्वारा हमला करने की स्थिति में दोनों देश उसे साझा रूप से अपने ऊपर किया गया हमला मानेंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इससे यह भी साफ हो जाता है कि सऊदी अरब पर हमले की स्थिति में उसे पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की मदद मिल सकती है। जबकि पाक के खिलाफ हमले के हालात में सऊदी अरब उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

ईरान युद्ध में इस्तेमाल पर 'मौन' सऊदी ? : सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की अपने एयरबेस पर की गई तैनाती के मायने समझाते हुए कहा कि इसके जरिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल को बेहतर बनाते हुए रणनीतिक तैयारियों को मजबूती प्रदान करना ही उद्देश्य है। लेकिन क्या इस एयरबेस का या फिर पाकिस्तान से आए लड़ाकू विमानों का ईरान में युद्ध से किसी भी तरह का कोई संबंध है या नहीं? इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब सऊदी बयान में नहीं दिया गया है।

किसी जमाने में अमेरिका ने बनाया यह एयरबेस : सऊदी अरब का किंग अब्दुलअज़ीज़ एयरबेस वही एयरबेस है। जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के काल में वर्ष 1945 में अमेरिका द्वारा बनाया गया था। यह सऊदी अरब के दहरान में है। वर्ष 1962 तक अमेरिका की वायुसेना यहां से अपने हवाई अभियानों का संचालन करती रही है। लेकिन 1962 के बाद से यह पूरी तरह से सऊदी अरब के नियंत्रण में वापस आ गया था। अब यह रॉयल सऊदी एयरफोर्स के एक अहम सैन्य ठिकाने के रूप में काम कर रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध के मध्य किंग अब्दुलअज़ीज़ एयरबेस पर भी कई बार ड्रोन और मिसाइलों से घातक हमले किए गए हैं। वहीं, अगर सऊदी अरब में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य उपस्थिति के केंद्र की बात करें तो उसमें शीर्ष पर प्रिंस सुल्तान एयरबेस शामिल है।

समझौते को लेकर उठ रहे थे सवाल?

बताते चलें कि पश्चिम-एशिया युद्ध के दौरान बीते वक्त में भी कई बार यह सवाल उठा था कि क्या पाकिस्तान, सऊदी अरब को सैन्य मदद प्रदान नहीं करेगा? क्या वो ऐसा जानबूझकर कर रहा है? लेकिन अब इस मामले में किसी भी तरह के शक-सूबे की कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान ने अपनी वायुसेना की सऊदी अरब में तैनाती कर दी है।

पश्चिम-एशिया तनाव ...

और अंतरराष्ट्रीय मामलों को शामिल किया जाएगा।

ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार जैसे मुद्दों पर होगी चर्चाः मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों में होने वाली विदेश सचिव की उच्च-स्तरीय बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा करने के अलावा प्राथमिकता की सूची में शुमार मुख्य विषयों में सहयोग को और अधिक गहराई प्रदान करने की कोशिश की जाएगी। मौजूदा संकट के मध्य फ्रांस में विदेश कार्यालय से जुड़ी चर्चाओं में रक्षा, नागरिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर- डिजिटल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और दोनों देशों के आमजन के बीच आदान-प्रदान और सांस्कृतिक संबंधों जैसे मामले शामिल रहेंगे। जबकि जर्मनी में आपसी सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा-सुरक्षा, तकनीक, हरित ऊर्जा, विकास तथा सह-सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच संबंध का मामला मुख्य रूप से शामिल किया जाएगा। वहीं, समान हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी पेरिस और बर्लिन की वार्ताओं में विचार-विमर्श किया जाएगा।

वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों से मिलेंगे मिस्री : फ्रांस और जर्मनी में विदेश सचिव सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। यहां एक जरूरी बात यह है कि विक्रम मिस्री की यह विदेश यात्राएं एक ऐसे समय पर हो रही हैं। जब इसी साल क्रमशः जनवरी और फरवरी महीने में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत का दौरा किया था। उक्त यात्रा भारत और यूरोपीय देशों के बीच बने हुए उच्च-स्तरीय संवाद और नियमित आदान-प्रदान का हिस्सा है। जो एक प्रकार से नई दिल्ली के दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक रूप से समीक्षा करने के साथ ही जरूरी क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने का भी अवसर प्रदान करती है।

महिला सहकर्मी ...

मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। यह धारा ताक-झांक के अपराध को परिभाषित करती है और उसके लिए सजा तय करती है। इस धारा के तहत किसी महिला को कोई निजी काम करते हुए देखना, उसकी तस्वीरें लेना या उन तस्वीरों को फैलाना शामिल है। यह उस हालात में लागू होता है जहां शरीर के निजी अंग खुले हों, कोई महिला शौचालय का इस्तेमाल कर रही हो, या कोई ऐसा यौन कृत्य कर रही हो जो आमतौर पर सार्वजनिक रूप से नहीं किया जाता। हालांकि, इसके तहत ऑफिस के माहौल में किसी को घूरना इस श्रेणी में नहीं आता। एक मामले में एक इंश्योरेंस कंपनी के एग्जीक्यूटिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उनकी एक महिला सहकर्मी ने उन पर आरोप लगाया था कि मीटिंग के दौरान वे उनसे नजरें मिलाने के बजाए उनके शरीर को घूरते थे, और साथ ही गलत टिप्पणियां भी करते थे। कोर्ट ने इस मामले में व्यक्ति के ऊपर दर्ज एफआईआर को रद्द करने का फैसला किया। जस्टिस अमित बोरकर की सिंगल जज बेंच ने कहा कि आरोप सिर्फ इतना है कि उन्होंने ऑफिस मीटिंग के दौरान महिला के सीने को घूरा था। किसी को घूरना, भले ही यह सच भी मान लिया जाए, आईपीसी की धारा 354-सी के तहत आने वाले 'ताक-झांक' के अपराध जैसा नहीं है।

मादा चीता ...

मूल की मादा चीता है, जिससे यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक बन जाती है। वन विभाग के अनुसार गामिनी पिछले एक साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी और उसने पूरी तरह प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल लिया था। मुख्य वन संरक्षक उत्तम कुमार शर्मा ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह परियोजना के मुख्य उद्देश्य चीतों को प्राकृतिक वातावरण में बसाने और उनके प्रजनन को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सफलता पर खुशी जताई है।

क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों...

पहुंचाने के प्रयास जारी हैं।

कस्टम हायरिंग सेंटर और पंचायत आधारित मशीनीकरण मॉडलः शिवराज सिंह ने स्पष्ट किया कि सरकार का फोकस केवल व्यक्तिगत मशीन सब्सिडी तक सीमित नहीं बल्कि गांव स्तर पर साझा उपयोग के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर और फार्म मशीनरी बैंक का नेटवर्क विकसित करना है। उन्होंने कहा कि पंचायतों, किसान समूहों, एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ऐसे सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जहां से छोटे और सीमांत किसान भी किराये पर आधुनिक कृषि उपकरण ले सकें। उन्होंने बताया कि केंद्र की सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकनाइजेशन जैसी योजनाओं के तहत परियोजना लागत पर 40 से 80 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि लगभग 30 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर भी पंचायतों और किसान संगठनों को मजबूत समर्थन मिल सके।

सांसदों की भूमिका – सिफारिश, जागरूकता और निगरानीः चौहान ने यह भी कहा कि भले ही एमपी लैड्स से सीधे कस्टम हायरिंग सेंटर न बनते हों, लेकिन सांसद और विधायक अपने क्षेत्रों में कृषि मशीनीकरण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे किसान समूहों, एफपीओ और पंचायतों के प्रस्तावों को राज्य और केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर, स्वीकृति, निगरानी और समस्याओं के समाधान में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से ही योजनाओं का लाभ सही मायने में अंतिम छोर के किसान तक पहुँचता है।

प्राइवेट सेक्टर और ...

है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि एफपीओ, पंचायत और प्राइवेट सेक्टर मिलकर प्राइवेट पार्टनरशिप के रूप में ऐसे केंद्र विकसित करें, ताकि मशीनें भी चलती रहें और किसान को समय पर सेवा भी मिल सके।

SKA our vision, your trust.
www.skaindia.co.in.

सार्वजनिक सूचना
परियोजना सत्यापन एवं अस्वीकरण

SKA Group आम जनता को सूचित करता है कि उसकी सभी आधिकारिक रूप से घोषित, चालू एवं आगामी रियल एस्टेट परियोजनाएँ केवल उसकी आधिकारिक वेबसाइट www.skaindia.co.in पर ही सूचीबद्ध हैं। इस सूचना की तिथि तक, SKA Group ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सूचीबद्ध परियोजनाओं के अतिरिक्त किसी भी नई परियोजना की शुरुआत नहीं की है, न ही उसने किसी व्यक्ति, ब्रोकर, चैनल पार्टनर अथवा किसी तीसरे पक्ष को वहाँ स्पष्ट रूप से उल्लिखित न की गई किसी भी परियोजना के विपणन या प्रचार हेतु अधिकृत किया है।

सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में किसी कथित SKA Group परियोजना से संबंधित किसी भी प्रकार के प्रचार पूर्णतः अनधिकृत हैं, तथा SKA Group का ऐसे किसी भी प्रकार के दावों या प्रस्तुतियों से कोई संबंध या संबद्धता नहीं है।

SKA Group किसी भी तृतीय पक्ष द्वारा किए गए किसी भी अनधिकृत दावे, प्रचार अथवा संचार—चाहे वह प्रिंट, डिजिटल या मौखिक माध्यम से किया गया हो—से उत्पन्न किसी भी प्रकार की देयता, दायित्व या जिम्मेदारी से स्पष्ट रूप से स्वयं को मुक्त करता है।

सामान्य जनता को सलाह दी जाती है कि वे परियोजनाओं से संबंधित सभी जानकारियों का सत्यापन केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही करें। SKA Group की सभी परियोजनाओं का विपणन लागू कानूनों, जिनमें रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (RERA) शामिल है, के पूर्ण अनुपालन में किया जाता है।

यह सूचना आम जनता के हित में जारी की जा रही है।

SKA Group की ओर से
– टीम SKA

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में है: पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'* (पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'* (डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

भोपाल में ऐसी करीब 62 बसें थी, अधिकांश संचालकों ने पुरानी की जगह नई बसें लाई

हाई कोर्ट के आदेश के बाद परिवहन विभाग की सख्ती शुरू, 15 साल पुरानी खटारा बसें सड़कों पर मिलीं तो होगी जब्त करने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश की सड़कों से जल्द ही 15 साल पुरानी कमर्शियल बसें हटेंगी। सरकार के इस आदेश पर हाईकोर्ट ने सही बताते हुए। ऐसी बसों के संचालन पर रोक लगाने की बात कहीं थी। इसके बाद से परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि भोपाल सहित मप्र में करीब 15 साल से अधिक पुरानी 899 बसों का संचालन हो रहा था। ये बसें खटारा हो चुकी हैं, इसके बावजूद भी प्रदेश के शहरों के बीच सवारियां ढोने का काम कर रही हैं। मामले में सरकार ने सख्त कदम उठाया तो बस ऑपरेटर्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। 14 नवंबर 2025 को शासन ने आदेश जारी किया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

■ खटारा बसें शहर में ढो रही थीं सवारियां

भोपाल में 15 साल से पुरानी 62 बसों का हो रहा था संचालन

भोपाल आरटीओ सूत्रों के अनुसार 15 साल से पुरानी बसों का लेखा-जोखा तैयार किया गया था। जिसमें आरटीओ से जारी हुए परमिट में 62 बसें ऐसी पाई गईं थीं, जो 15 साल से ज्यादा पुरानी हैं। ऐसी बसों में बस ऑपरेटर्स ने उन बसों का बदलकर अब नई बसों के रूप में बदल दी है। पुरानी बसों का परमिट नई बसों को जारी कर दिया गया। ऐसी स्थिति मप्र के अन्य जिलों में भी देखने को मिल रही है। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि आरटीओ अमला 15 साल पुरानी बसों को लेकर लगातार नजर रखे हुए। चेकिंग की जा रही है। भोपाल में अगर कोई बस संचालक 15 साल पुरानी बसों का संचालन करने मिलता है। तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किस संभाग में कितनी 15 साल पुरानी बसों का हो रहा था संचालन

संभाग	बसों की संख्या जबलपुर
सागर	209
ग्वालियर	139
इंदौर	156
भोपाल	62
उज्जैन	64
रीवा	54

विभाग ने यह निर्णय लिया है

- 15 साल से अधिक पुरानी बसों का संचालन बंद किया जाएगा।
- सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण के लिए उक्त बसों का संचालन रोकना बहुत जरूरी है।
- यह कदम मानव संसाधन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उठाया जा रहा है।
- 15 साल से अधिक पुरानी बसों के स्टेज कैरिज परमिट रद्द किए जाएंगे।

देर रात सड़कों पर उतरा आरटीओ अमला: नियम विरुद्ध मिली पांच बसें, फिटनेस व बिना परमिट के दौड़ रही थीं

भोपाल। अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) पर गुरुवार देर रात आरटीओ की टीम ने अचानक दबिश दी। इस औचक कार्रवाई के दौरान बसों के दस्तावेजों, फिटनेस और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आरटीओ ने मौके पर ही पांच बसों को जब्त कर स्टैंड पर खड़ा करवा दिया। विभाग की इस अचानक हुई कार्रवाई से बस संचालकों और स्टाफ में हड़कंप मच गया। स्टैंड से बाहर निकल रही बसों को रोककर उनकी जांच की गई। इस दौरान कुछ बसों में टैक्स बकाया मिला, तो कुछ के पास वैध परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं थे। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश पर बसों की चेकिंग की गई। इस दौरान बस क्रमांक एमपी 04 एई 4728 को परमिट शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर जब्त कर लिया गया। वहीं, दो अन्य बसों पर गंभीर खामियां मिलने के कारण उनकी फिटनेस निरस्त कर दी गई। बस क्रमांक एमपी 28पी 0738 में इमरजेंसी एग्जिट ब्लॉक मिला, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसके अलावा एमपी 04 पीए 3676 में सीट खराब होने के साथ फायर एक्सटिंग्विशर नहीं पाया गया। कार्रवाई के दौरान पांच अन्य बसों पर भी मोटर यान अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 7 हजार रुपए का समन शुल्क वसूला गया।

भोपाल मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड टनल बनाने का मामला, मैनिट की टीम ने पिछले दिनों किया था सर्वे

15 दिन बाद तय होगा शालीमार ट्रेड सेंटर खाली होगा या नहीं, नॉन डिस्ट्रिक्टिव रिपोर्ट का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टनल बोरिंग मशीन से खुदाई का काम भी रिपोर्ट के बाद ही होगा शुरू रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा संबंधित इमारतें कितनी मजबूत

45 साल पुराने जर्जर भवन में 80 से ज्यादा कार्यालय, होटल, मैनिट ने इमारत के दस्तावेज मांगे

शहर के रेलवे स्टेशन के पास अंडरग्राउंड टनल बनाने का काम 15 दिन के बाद ही शुरू हो सकेगा। दरअसल 45 साल पुराने जर्जर शालीमार सेंटर के नीचे अंडरग्राउंड टनल का काम शुरू होना है, लेकिन एसबीएम से खुदाई शुरू होने के पूर्व भवन की सुरक्षा को लेकर उठे सवालों के बीच शुरू नहीं हो सका। मैनिट के विशेषज्ञों की टीम ने गत दिवस स्ट्रक्चरल सर्वे किया था। जिसके तहत सैंपल लिए गए थे।

भवन की नान डिस्ट्रिक्टिव टेस्ट (एनडीटी) की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि शालीमार ट्रेड सेंटर और होटल राजश्री की इमारत कितनी मजबूत है या नहीं। मैनिट सिविल विभाग के एचओडी एमएस चौहान ने बताया कि नान डिस्ट्रिक्टिव टेस्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा कि शालीमार ट्रेड सेंटर और होटल राजश्री की इमारत कितनी मजबूत है। रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिन लगेंगे। इसके बाद ही टनल बोरिंग मशीन से बोरिंग का काम शुरू हो सकेगा।

खस्ताहाल शालीमार ट्रेड सेंटर।

दस्तावेजों भवनों का भी होगा आंकलन

मैनिट सिविल विभाग की टीम ने नगर निगम से शालीमार ट्रेड सेंटर और होटल राजश्री इमारत के दस्तावेज मांगें हैं। इनका का भी आंकलन किया जाना है। मैनिट को निगम उक्त दोनों इमारतों के दस्तावेज उपलब्ध करवाएगा।

शहर में एक बड़ी लापरवाही यह भी...

शहर में 700 से ज्यादा जर्जर भवन, डेंजर घोषित, लेकिन हटाए नहीं गए राजधानी भोपाल में पांच हजार से ज्यादा मकान जर्जर हैं। इनमें से 700 से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें डेंजर घोषित किया गया है, लेकिन उन्हें न तो खाली करवाया गया न ही विस्थापन की योजना बनी। लोग जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर हैं।

कहां-कहां हैं जर्जर आवास

- बैरसिया रोड, बुधवारा, इतवारा, जहांगीराबाद, सुल्तानिया रोड, हमीदिया रोड पर करीब 1500 जर्जर इमारतें
- 242 जर्जर आवास ऐसे हैं जो कभी भी गिर सकते हैं
- 2004 में निगम के सर्वे में 977 जर्जर मकानों हुए थे चिन्हित
- शहर में 700 इमारतें अति जर्जर श्रेणी में हैं।
- 1500 से अधिक जर्जर आवासों को जारी किए थे नोटिस
- सबसे अधिक खतरनाक मकान पीर गेट, चौक बाजार, ऐशबाग और सेकेंड स्टॉप क्षेत्रों में हैं।
- नए शहर में 225 मकान-दुकानें जर्जर हैं, जिन्हें तोड़ा जाना है।

पुरानी इमारत में सॉफ्टवेयर कंपनी, फायर इक्यूपमेंटस, होटल

शहर के रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड टनल के लिए टीबीएस से खुदाई को लेकर मामला सुरक्षा और सावधानी से जुड़ा है। जिन भवनों के नीचे खुदाई होना है उसमें लोहे की सेंटिंग और दरारों को मापने के लिए स्कैल लगा दिए गए थे, लेकिन भवन में कार्यरत लोग भय के बीच व्यवसाय का संचालन कर रहे थे। शालीमार ट्रेड सेंटर में कई होटल, साफ्टवेयर कंपनी के कार्यालय, फायर इक्यूपमेंटस की एजेंसी व अन्य व्यवसायी केंद्र हैं।

श्रमिकों के लिए बनी सुविधा खुद बेहाल

पूरी तरह खंडहर में तब्दील हुआ श्रम कल्याण मंडल

श्रम कल्याण मंडल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पटेल नगर स्थित श्रम कल्याण मंडल, जो कभी श्रमिकों के कल्याण और उनकी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से बनाया गया था, आज बदहाल स्थिति में खंडहर में तब्दील हो चुका है। यह केंद्र श्रमिकों के लिए शादी सहायता, शिक्षा प्रोत्साहन राशि, छात्रवृत्ति और अंतिम संस्कार जैसी योजनाओं के संचालन के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन वर्तमान में यहां न तो कोई नियमित गतिविधि हो रही है और न ही श्रमिकों की आवाजाही।

हरिभूमि ने जब यहां स्थिति का निरीक्षण किया तो भवन वीरान मिला, गेट में जंग लगा था और परिसर में अतिक्रमण और गंदगी, जिसे देखने वाला भी कोई नहीं है। जानकारी के अनुसार, मंडल का संचालन पिछले कई वर्षों से लगभग ठप पड़ा हुआ है। जिसको एमपी सरकार ने 26 जुलाई 2023 को कल्याण मंडल का संचालन मंडल का पुनः निर्माण किया गया था। परिसर में अतिक्रमण की स्थिति बन गई है, जहां लोगों ने अपने वाहन खड़े करना शुरू कर दिए हैं। भवन के दरवाजों पर जंग लगे ताले लटके हुए हैं, जबकि अंदर टेबलों पर वर्षों पुरानी फाइलें

ऐसी स्थिति क्यों हुई

लगभग 40 साल पहले जब भवन बनाया गया था तब यहां श्रमिक परिवारों की संख्या अधिक थी। जब फैक्ट्रियां यहां से गोविंदपुरा सिफ्ट हो गई तब श्रमिकों की संख्या भी कम हो गई और श्रमिक परिवार यहां नहीं बचें। ऐसे में विभाग द्वारा संचालित राज्य सरकार की योजनाएं भी सिमटकर रह गईं। अब यहां हो रहा है यह कामअब यहां एक साल में केवल दो माह की काम होता है वो भी स्कॉलरशिप के लिए पंजीयन का।

चार दिन बाद देंगे जवाब

श्रम कल्याण मंडल पटेल नगर के क्षेत्रीय अधिकारी, मनीष श्रीवास्तव से इस मामले में जानकारी मांगने के लिए फोन लगाया तो उन्होंने कहा कि, मै इसकी जवाब चार दिन बाद दूंगा।

एसएमआरएससी 2026 में प्रोजेक्ट विमाना और प्रोजेक्ट ऑपेरियन लॉन्च

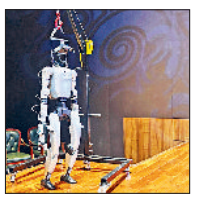

नई दिल्ली। भारत में आयोजित तीसरे ग्लोबल एसएसआई मल्टी-स्पेशियल्टी रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेंस 2026 के दौरान अत्याधुनिक चिकित्सा और रक्षा तकनीकों की ऐतिहासिक झलक देखने को मिली। इस अवसर पर एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल ने दो क्रांतिकारी तकनीकों प्रोजेक्ट विमाना और प्रोजेक्ट ऑपेरियन का अनावरण किया जो भविष्य की सर्जिकल और आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली को नई दिशा देने वाली मानी जा रही हैं। तीन दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के 1500 से अधिक डॉक्टरों और 250 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में रोबोटिक सर्जरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेली-सर्जरी और मोबाइल ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर चर्चा की गई। इस दौरान एसएसआई मंत्रा-3 और मंत्रासन के माध्यम से 15 लाइव टेली-सर्जरी और 14 लाइव सर्जरी का सफल प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव की उपस्थिति में हुआ।

जनगणना प्रशिक्षण में नहीं आने पर नोटिस

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जनगणना 2027 के प्रशिक्षण में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर दो सहायक शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। जवाब संतोषप्रद नहीं होने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। तहसीलदार एवं ग्रामीण चार्ज जनगणना अधिकारी द्वारा सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला डोंगरातोला इजहार सिंह ओटी और सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला बगड़ी पवन कुमार कश्यप को जारी नोटिस में कहा, 'जनगणना 2027 के संबंध में प्रगणक एवं सुपरवाईजर का प्रशिक्षण 10 अप्रैल को पीएमश्री सेजेस विद्यालय मरवाही में सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित किया गया था। प्रशिक्षण में आप बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाये गये हैं।

गिरोह में शामिल थीं 7 महिलाएं और एक युवक

सोने की चेन पार करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुलिस ने एक ऐसे शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो सुनियोजित तरीके से भीड़भाड़ वाले बाजारों में महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से सोने की चेन पार कर रहा था। इस गिरोह की खास बात यह रही कि इसमें अधिकांश सदस्य महिलाएं थीं, जो शक से बचने के लिए खुद ही वारदात को अंजाम देती थीं। पुलिस ने इस मामले में 7 महिलाओं और एक युवक को गिरफ्तार किया है, साथ ही उनके इस्तेमाल में लाई जा रही इनोवा कार भी जब्त कर ली गई है।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब डीडी नगर इलाके में एक महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई। पीड़िता अपने घर के पास सब्जी लेने गई थी, तभी भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन उड़ा ली। इसी तरह की घटनाएं शहर के सरस्वती नगर और गोलबाजार क्षेत्र में भी सामने आईं, जिससे पुलिस को शक हुआ कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है।

सीसीटीवी कैमरों से मिला पुलिस को सुराग

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें कुछ महिलाएं संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त नजर आईं। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज की और मुखबिर की सूचना पर भाठागांव बस स्टैंड के पास एक संदिग्ध इनोवा वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार सभी आरोपियों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संध्या सकटे, सोनिया हातागले, उज्वाला हातागले, साखराबाई, ज्योति सकटे, सरिता ज्वरे, सपना हातागले और अभय हातागले के रूप में हुई है। सभी आरोपी मध्यप्रदेश के इंदौर के निवासी हैं और आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे अलग-अलग शहरों में घूमकर इसी तरह चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे।

गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित कई राज्यों में फैला था रैकेट

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह केवल रायपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी इसी तरीके से कई वारदात कर चुका है। ये लोग पहले शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों और धार्मिक स्थलों की रेकी करते थे, फिर दो-दो के समूह में बंटकर बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही वे तेजी से चेन काटकर फरार हो जाते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 10,500 रुपये नकद, एक सोने की चेन, चेन काटने वाला कटर, चार मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई इनोवा कार बरामद की है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य संभावित साथियों और अलग-अलग राज्यों में दर्ज मामलों से इनके संबंधों की जांच कर रही है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे गिरोहों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

एनआईटी सं. 46255139A — दिनांक : 10.04.2026

निविदा सं. 46255139A के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार है :–

1	कार्य का नाम	Development, Supply, installation, testing and Commissioning of Passenger Emergency Talk-Back System for ladies Coaches of EMU/MEMU rakes as per RDSO Spec. No. RDSO/PE/SPEC/EMU/0191 (Rev-0) Oct-2018 or latest. Scope of supply and laptop specification attached.
2	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 64313658/-
3	मात्रा	69 नग
4	निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समय	15.05.2026 (11:00 Hrs.)
5	निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	15.05.2026 (11:00 Hrs.)
6	वेबसाइट की विवरण, जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

टिप्पणी : (i) ई–निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई–प्रापण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेजे देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ — 1219/26

दुष्कर्म व हत्या की सनसनीखेज घटना के आरोपी ने किया खुलासा

अवैध संबंधों के शक के चलते आरोपी प्रेमी ने प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के अंबिकापुर शहर में महिला की हत्या और दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में 35 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अवैध संबंध के शक में आरोपी ने महिला से जबरन दुष्कर्म कर उसकी जान ले ली थी।

यह घटना 3 अप्रैल को सद्भावना चौक क्षेत्र में हुई, जहां एक महिला का खून से लथपथ शव मिला था। सूचना पर पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर कोतवाली थाना में मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने चार विशेष टीमों का गठन किया।

पुलिस ने चिरमिरी से आरोपी को दबोचा

सीसीटीवी फुटेज और परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पुलिस महानिरीक्षक ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। डीआईजी और एसएसपी ने भी पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस को चिरमिरी क्षेत्र में आरोपी के छिपे होने की सूचना मिली। घेराबंदी कर पुलिस ने आरोपी छोटू उर्फ मिथुन उर्फ राम सिंह (30 वर्ष) को चिरमिरी से दबोच लिया। वह मकनपुर थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर का निवासी है।

मृतका और आरोपी करते थे मजदूरी

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह और मृतका मजदूरी करते थे और साथ रहते थे। उसे महिला के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था, जिससे वह नाराज था। दो अप्रैल को शराब पीने के बाद उनका विवाद बढ़ गया। गुस्से में आरोपी ने महिला से जबरन दुष्कर्म किया और हाथ-पैर व मुक्कों से पीटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी रेलवे पटरी के रास्ते भाग निकला। वह विश्रामपुर होते हुए नागपुर पहुंचा। वहां से सवारी वाहन से चिरमिरी पहुंचकर छिपकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रेमिका और उसकी मां के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा

कबीरधाम। जिला कोर्ट ने हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने दो साल पहले फरवरी 2024 में अपनी प्रेमिका वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) उम्र 37 व उसकी मां पार्वती वैष्णव उम्र 60 की हत्या की थी। कवर्धा निवासी वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) व आरोपी अश्वनी कुमार पांडे पिता शिव शंकर पांडे उम्र 40 वर्ष, निवासी सिरगिट्टी बिलासपुर के साथ चौथी शादी करने वाली थी। इसे लेकर दोनों के बीच साल 2023 दिसंबर माह में एक समझौता भी हुआ था। इस समझौते को लेकर 22 फरवरी को दोनों के बीच घर पर विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने मां - बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने दोनों के मोबाइल फोन व स्कूटी लेकर घर को बाहर से बंद कर रायपुर फरार हो गया था। वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) की पूर्व में तीन शादी हो चुकी हैं। लेकिन, शादी के बाद उसका तलाक हो गया था। अब चौथी शादी करने वाली थी। इन दोनों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क हुआ था। वारदात के दिन 22 फरवरी को पिंकी व आरोपी अश्वनी एक साथ कवर्धा के एक ब्यूटी पार्लर भी गए थे। वहां से ही पिंकी दुल्हन की वेशभूषा में सजकर घर पहुंच गई थी। इसी रात वारदात को अंजाम दिया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रंजन कुमार** पुत्र श्री जगदीश विंद पताः वैगा वाण्ड चंद्र विहार, तिलक नगर, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 740/2021 धारा 457/380/411 भा.द.स. के तहत** थानाः तिलक नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रंजन कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रंजन कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 740/2021 धारा 457/380/411 भा.द.स. के तहत थानाः तिलक नगर, दिल्ली के उक्त रंजन कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विकास मदान
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07
पश्चिम तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4762/WD/2026

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज़्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण अंजाम दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने मे आए।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देश में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी। गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है।

इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।

इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है। शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराज़गी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

वह एक रात!

करवट

कुमार प्रशांत

एक ही रात में-7 अप्रैल 2026 - हजारों साल पुरानी व समृद्ध ईरानी सभ्यता के अस्तित्व को धरती से मिटा देने की मनोरोगी अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद क्या हुआ? अखबारी दुनिया के लोग कहेंगे कि उसके बाद 15 दिनों का युद्धविराम हुआ।

मैं कहूंगा कि नहीं, यह तो हुआ ही; और वह भी हुआ जो संभवतः मानवीय सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ट्रंप की कयामत की रात की घोषणा के बाद न ईरान के सत्ताधारियों ने, न ईरान की बलिदानी जनता ने किसी के आगे गुहार लगाई, न हाथ फैलाया, न माफी मांगी। स्त्री-पुरुष-बच्चियां-बच्चे कोई कहीं रोता-कलपता भी नहीं दिखा. पिछले 40 दिनों से वे, खंडहर होते जा रहे अपने देश को सीने से लगाए, आसमान से बरसते विनाश का सामना कर रहे थे, आक्रमणकारी ट्रंप, गैरतहीन,धूर्त नेतन्याहू और इनके सफरमैना खाड़ी देशों को लगातार हथियारों से जवाब भी दे रहे थे, हालांकि वे जानते थे कि वे अब ज्यादा दिनों तक जवाब देने की हालत में नहीं हैं।

लेकिन 40 दिनों बाद आज, 7 अप्रैल को लड़ाई बदल गई थी। वे ही सब युद्ध की नई कुंडली लिखने सड़कों पर निकल आए थे, जो युद्ध जारी रख सकने की हालत में नहीं बचे थे. ईरान के जिन आण्विक संयंत्रों को, पुलों-राजमार्गों, नागरिक सुविधा के दूसरे तंत्रों, पूजा-स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों को बमों से ध्वस्त कर देने की घोषणा ट्रंप ने की थी, हमने देखा कि अपने-अपने ध्वस्त घरों से निकल-निकल कर ईरानी नागरिक इस सभी स्थलों को घेर कर खड़े होते गए कोई शोर नहीं, कोई नारेबाजी नहीं; सब एकदम शांत थे. लेकिन हर जगह लोग-ही-लोग थे कोई कह तो नहीं रहा था लेकिन जैसे कहीं से, कोई आसमानी घोषणा कर रहा था : हम यहां खुले में खड़े हैं, चलाएं ट्रंप उनके पास जो भी है. ईरान के मशहूर संगीतकार अली घामसारी ने एक संयंत्र के सामने वाली सड़क पर दरी बिछाई और अपना वाद्य बजाने लगे. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांत पर दृढ़ आवाज में बताया : मरने की तैयारी रखनेवालों की सूची में अब तक 1.40 करोड़ ईरानी नागरिकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है और उसमें पहला नाम मेरा है। यह ईरान के लिए कयामत की रात थी जिसे उसने कमाल की रात में बदल दिया था।

किसी ने देखा या नहीं देखा पता नहीं लेकिन इन बलिदानी ईरानियों की किसी कतार में महात्मा गांधी भी खड़े थे ! दुनिया के जिस भी कोने में लोग वीरता से बलिदान देने निकलते हैं, यह 'अधनंगा फकीर' वहां अपनी हाजिरी लगाता ही है। जयप्रकाश ने कभी हंगरी में, कभी

तिब्बत में, कभी बांग्लादेश में तो कभी चेकोस्लोवाकिया में इस गांधी को पहचाना था और उसके साथ खड़े हुए थे।

गांधी ने कहा था : विवश कायरता से कहीं भला होता है निडर बलिदान ! गांधी की अहिंसा का उपहास करने वाले किताबी बुद्धिजीवी व हिंदुत्व की अहंकारी भाषा में अपनी कायरता छिपाते रहने वाले कहां पहचान सकेंगे कि गांधी ने जिस चरम साहस की बात कही थी, ईरानी जनता में वह साहस 7 अप्रैल 2026 को मूर्तिमान हुआ था। यही अमरीका था और उसके ही परमाणु बम थे कि जिनसे हिरोशिमा-नागासाकी का अकल्पनीय विनाश हो चुका था. तब किसी ने पूछा था गांधी से : आप परमाणु बम का अहिंसा से कैसे मुकाबला करेंगे ? पूछने वाले ने सोचा था कि गांधी निरुत्तर रह जाएंगे लेकिन गांधी ने जवाब टाला नहीं, वे हिचके भी नहीं। कहा : विनाश का मुकाबला अकंप वीरता से ही किया जा सकता है. उन्होंने बात साफ की : जब बम ले कर आसमान में विमान आएगा तब मैं किसी खाई-खंदक में छुपूंगा नहीं, बल्कि खुले मैदान में निकल आऊंगा और अपलक उस विमान को देखता रहूंगा जो संपूर्ण विनाश ले कर आया है. मैं जानता हूं कि उस विमान का पायलट उस ऊंचाई से मुझे देख नहीं सकेगा लेकिन मैं तो उसे अपलक देख सकूंगा. बम उन सबको मार जाएगा जो बचने की कोशिश करेंगे; लेकिन वह उन सबको मार ही नहीं सकेगा जो मरने का भय छोड़ कर, उसकी आंखों-में-आंखें डाले सकेंगे ! फिल्मी डायलॉग है : जो डर गया वो मर गया; गांधी कहते हैं : करो या मरो !

कायर सवाल पूछते ही रहते थे : ऐसा हो सकता है क्या ? सामने से आती मौत की तरफ कैसे देखता रह सकता है कोई ? गांधी कैसी अविश्वसनीय-अव्यवहारिक बात कह रहे हैं ! 7 अप्रैल 2026 के बाद कोई ऐसा नहीं कह सकेगा. ईरान की बहादुर जनता ने विनाश के समक्ष आत्मबल का सर्जन करने की गांधी की कल्पना के समर्थन में अपना वोट दे दिया है. जो कल तक अहिंसक कल्पना थी, आज हकीकत बन गई है. गांधी कहते हैं : छिप कर भी मारे जाओगे लेकिन उस मौत में से असहायता व कायरता निकलेगी; मौत की आंखों में आंखें डाल कर मरोगे तो उसमें से चरम वीरता निकलेगी जो मारने वालों को असहाय व व्यर्थ बना देगी.

युद्ध, हिंसा,विनाश और शत्रुता के खिलाफ जो सदा ही अपनी आवाज़ बुलंद करता रहा; मानव-मन में गहरी पैठी हिंसा व प्रतिशोध की भावना की जड़ें अहर्निश काटता रहा; जो इन सबके विरुद्ध आज तक मनुष्य द्वारा उठाई सबसे अटूट, सशक्त व सक्रिय आवाज है, उस गांधी के लिए युद्ध, हिंसा, प्रतिशोध अजनबी नहीं थे. वह युद्ध के मोर्चे पर फौजी अधिकारी बन कर उतरा था; दो-दो विश्वयुद्ध की विभीषिका उसने देखी व झेली थी; उसने अपने मुल्क की नवजात आजादी पर पड़ोसी का फौजी हमला देखा था और उससे युद्ध करने वाली फौज को आशीर्वाद भी दिया था; अपनी हत्या के पांच प्रयासों के बावजूद बगैर किसी कड़वाहट के उसने मानवीय आजादी व गरिमा का अपना अभियान जारी रखा था; जैसा सांप्रदायिक उन्माद संसार ने पहले देखा नहीं था वैसे सांप्रदायिक उन्माद में पांव-पांव लगातार भटकता रहा था वह; सांप्रदायिक हिंसा के कई थपेड़े उसने झेले थे और फिर उसी सांप्रदायिक आग में जल कर वह भस्म हुआ था. तो हम कह सकते हैं कि गांधी ने युद्ध के खिलाफ तमाम उम्र युद्ध ही लड़ा ! आज ईरान ने कहा है : हर युद्ध के अंत में बचते हैं गांधी ही, क्योंकि वे हिंसा, घृणा व प्रतिशोध के सामने कभी सर नहीं झुकाते हैं।

बाबा साहब आप अवाम के हीरो हैं!

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान को लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दो तरह के चेहरे दिखाए जाते हैं। संविधान निर्माण के सिलसिले में कुछ लोगों ने बेहूदी टिप्पणियां भी की हैं कि आंबेडकर न तो संविधान निर्माता हैं, न संविधान नियामक हैं, न संविधान के अधिकृत प्रवक्ता। उन्होंने केवल संविधान सभा के सदस्यों और समितियों से मिली तरह तरह की रिपोर्टों को एकजाई कर प्रारूप समिति के चेयरमैन की हैसियत में संविधान सभा की बहस के लिए पेश भर कर दिया। बाकी काम तो संविधान सभा के सदस्यों ने आपसी बहस मुबाहिसे के जरिए किया। कभी भाजपा में रहे मशहूर पत्रकार अरुण शौरी ने तो 'वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स' नाम की किताब भी लिख दी। पता नहीं वह किताब क्यों लिखी? उसमें बहुत गलतबयानी है। आंबेडकर के खिलाफ जबरिया कई बातें खोजी गई हैं। अगर नहीं करते तो क्या बिगड़ जाता?

दूसरी तरफ आंबेडकर के पक्ष में जातीय समरसता के कारण तथा अन्य प्रताड़ित लोग उनकी देवता की तरह पूजा करते हैं। वे संविधान निर्माण के संदर्भ में आंबेडकर की भूमिका को आलोचनात्मक आधार पर सुनना समझना नहीं चाहते। उनका यहां तक कहना होता है कि संविधान केवल बाबा साहब की अकेली और मौलिक देन है। बाकी संविधान निर्माताओं के संबंध में उनकी कोई सार्थक टिप्पणी होती भी नहीं। वे बाबा साहब के जन्मदिन और परिनिर्वाण दिवस की बड़ी बहसों में ऐसे लोगों को नहीं बुलाते जो उनकी निगाह में सवर्ण हैं और इसलिए बाबा साहब का मूल्यांकन करने में पैदाइशी असमर्थ हैं। यह भी अम्बेडकर पर एक तरह की एकाधिकारवादिता है। इससे आंबेडकर का यश लोकजीवन में विस्तारित कैसे होगा? ऐसे लोग उन बारीकियों को भी नहीं खोजते जो बाबा साहब की विशेषताएं हैं।

आंबेडकर को लेकर एक बात बहुत साफ है। आंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर अहसान नहीं किया गया। वे आजादी की लड़ाई के योद्धा या किसी पार्टी के सदस्य नहीं थे। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का कोई सानी नही था। इसलिए आंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, इतिहास की अनिवार्यता थी। विनम्र जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यदि बाबा साहब प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं होते। तो संविधान उस तरह लगभग 300 सदस्यों की बहस को अपनी प्रतिभा से समेटते तीन बरस में लिखा नहीं जा सकता था। इतिहास का सच है कि आंबेडकर का विकल्प नहीं था। संविधान के एक एक अनुच्छेद पर बाबा साहब की तीखी नज़र रहती थी। ग़फ़लत में नहीं होते थे। न अनदेखी करते थे। जानना ज़रूरी है कि उनसे सहयोग करने कानूनी विद्वानों की आलिम फाजलि समिति भी थी जो उनसे सहकार करती थी। इसका अहसान भी

उन्होंने माना है।

आंबेडकर की सबसे बड़ी खसूसियत का ब्यौरा लोग बताते तक नहीं। वे अपने तईं कई तरह की संवैधानिक व्याख्याओं में विश्वास करते थे। उसका ब्यौरा उन्होंने लेखी में और भाषणों में भी दिया है। जब संविधान सभा का बहुमत उनसे सहमत नहीं होता था, चाहे उसके लिए कोई भी वजह रही हो, तब आंबेडकर की उदारता थी कि उन्होंने निजी रूप में कहे गए अपने विचारों को प्रारूप समिति के चेयरमैन के भाषणों के नीचे दफ्न कर दिया। यदि आंबेडकर ने निजी राय को बहुमत ने खारिज करके दाखिल दफ्तर नहीं किया होता, तो हिन्दुस्तान के आईन की हालत शायद बेहतर होती। मसलन जब मूल अधिकारों को लेकर सरकार पर बंदिश लगनी थी कि मूल अधिकार तब ही प्रभावित होंगे जब 'ड्यू प्रोसेस आफ लॉ' की परीक्षा में खरे उतरें। तब संविधान सलाहकार बी० एन० राव ने भांजी मारी कि अमेरिका के सबसे प्रभावशाली जज फेलिक्स फ्रैंकफर्टर ने सलाह दी है कि जनता के मूल अधिकारों पर आंच की जांच बड़ी अदालतें 'ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ' के तहत करेंगी, तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। भारत अमेरिका की तरह अनुभवसिद्ध लोकतंत्र नहीं है, जहां वर्षों से संविधान की हुकूमत चल रही है। तब एक नया लोकतंत्र हुकूमत कैसे करेगा? इसलिए उसे कहें **procedure established by law**. बहुत दुख के साथ अम्बेडकर ने कहा था मैं मानता हूं कि ऐसा मंत्रिमंडल आ सकता है जो जनता के खिलाफ गैरमुनासिब फैसला करे। दूसरी ओर काले कोट में लकदक पांच छह जज बंद कमरे में बैठकर सरकारी फैसला बदल दें। एक तरफ कुआं है। दूसरी तरफ खाई है। मंत्रिपरिषद और सुप्रीम कोर्ट के संभावित विवाद को लेकर आंबेडकर ने कहा था आप लोग खुद फैसला करिए। मैं कुछ नहीं कह सकता।

हिन्दू मुस्लिम के सवाल पर अम्बेडकर दूसरों से ज़्यादा वैज्ञानिक और स्पष्टवादी थे। उन्होंने साफ कहा बहुसंख्यक लोग सोचें कि अल्पसंख्यक उन पर बोझ हैं या इतिहास की अतिरिक्तता या दुर्घटना हैं। तो अल्पसंख्यक भयंकर विस्फोटक के बराबर होते हैं। अगर फटे तो सारे राजकीय ढांचे को तहस नहस कर सकते हैं। यूरोप का इतिहास इसका उदाहरण है। यह नज़रिया बदलना पड़ेगा। अल्पसंख्यक भी सोचें हर समय पूरी तौर पर सांस्कृतिक और साभ्यतिक तौर पर अलग थलग ही रहेंगे। तो वह भी एक गलत नज़रिया है।

यक्ष प्रश्न है बाबा साहब ने तो हमवतनों को बहुत कुछ दिया। बाद की भारतीय पीढ़ी ने बाबा साहब की कितनी बात मानी? दलितों के मसीहा ने दलितों के अधिकारों के लिए भीख नहीं मांगी। संघर्ष करना सिखाया। उनके नाम से अपनी राजनीतिक दूकान सजाने वाले तरह तरह के अनुयायी दलित वर्गों को किस तरह बांट चुके हैं। दलित महिलाओं का सड़कों पर बलात्कार और उन पर अत्याचार किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद भी उन्हें बडे पद नहीं मिलते। न्यायपालिका की नौकरियों में दलितों का कितना स्थान है? क्या हिन्दुस्तान में जातिवाद खत्म हो रहा है? क्या जातीय जनगणना ही उनकी तरफ जाने का इकलौता रास्ता है? नागपुर में बाबा साहब हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म में चले गए थे। आंबेडकर की शोहरत उपलों की दीवार नहीं है, जिसे एक झटके से गिरा दिया जाए।

बाबा साहब ने सिखाया संविधान वह किताब है जो हर हिन्दुस्तानी के हाथ में होनी चाहिए। देश में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को हर माह पांच किलो राशन सरकार से मुफ्त में दिया जा रहा है। उससे लोकतंत्र चल रहा है। सरकार चल रही है। तो संविधान की पोथी हर एक हाथ में क्यों नहीं हो सकती जिससे हर मनुष्य में अपनी जम्हूरियत का गौरव तो हो?

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में की 3 रैलियां मुर्शिदाबाद में मुख्यमंत्री ममता पर बरसे

टीएमसी बन गई लेफ्ट की कार्बन कॉपी, बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही, घुसपैठियों की सरकार का अंत निकट

पीएम मोदी ने कहा कि जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी है और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा चुनाव जीत रही है। टीएमसी लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई है। पीएम ने कहा जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगायाभ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है। हथियारों , ड्रग्स और मवेशी तस्करी का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा। हम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

रैली के दौरान जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

शरणार्थियों को नागरिकता की गारंटी दी

पीएम मोदी ने यूसीसी लागू करने और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने का वादा किया है। मतुआ और नामशूद्र समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आप किसी टीएमसी नेता की दया पर यहां नहीं हैं, आपको भारत का संविधान सुरक्षा देता है।

टीएमसी ने किसानों का भविष्य बर्बाद किया

मुर्शिदाबाद के प्रसिद्ध सिल्क उद्योग पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की अनदेखी के कारण यहां के किसानों का भविष्य बर्बाद हो गया है। टीएमसी बंगाल के मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने पर तुली है, जिसे भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी।

भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र लाने का दावा

पीएम मोदी ने कहा कि यदि राज्य में भाजपा सरकार बनती है, तो पिछले 15 वर्षों के शासनकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। टीएमसी सरकार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घिरी हुई है।

आयुष्मान भारत योजना लागू करने का वादा

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का प्रस्ताव पहली कैबिनेट बैठक में पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

46 सेकंड के वीडियो में दिखाया बंगाल का 'मिजाज'

प्रधानमंत्री कटवा में जनसभा में उमड़ी भीड़ को देखकर उत्साहित हो गए अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। पीएम ने कहा कि रैलियों में उमड़ी भीड़ नतीजों की झलक है। बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। इससे बंगाल का मिजाज दिखाई दे रहा है।

शाह का ममता पर निशाना

भाजपा खत्म कर देगी टीएमसी का सिंडिकेट राज, अब 'बाय' कहने का समय

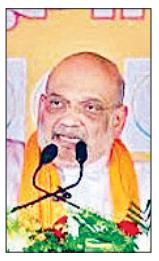

बांकुड़ा। बंगाल में चुनावी माहौल के बीच भाजपा ने एक बार फिर ममता सरकार पर बड़ा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांकुड़ा के ओंडा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो टीएमसी का सिंडिकेट राज खत्म कर दिया जाएगा। अब बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता जल्द फैसला करेगी। राज्य में हर काम के लिए लोगों को कटमनी देनी पड़ती है और सिंडिकेट के बिना कोई काम नहीं होता। भाजपा सरकार आने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों को सजा दी जाएगी। घुसपैठ पर कार्रवाई होगी।

आर्थिक मुद्दों और सप्लाई पर उठाए सवाल, हिसाब लेंगे

शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल से ओडिशा और झारखंड में आलू की सप्लाई रोक दी है। किसानों और व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। भाजपा सत्ता में हिसाब लिया जाएगा।

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने एक बार फिर भाजपा पर लगाया वोटर लिस्ट में हेरफेर करने का आरोप

भाजपा ने भवानीपुर सीट से मेरी उम्मीदवारी रद्द करवाने की कोशिश की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में एक दूसरे को पटकनी देने की मुहिम में भाजपा और टीएमसी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ममता भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने झूठे मामले दर्ज करवाकर और चुनाव आयोग की मदद से भवानीपुर सीट से उनकी उम्मीदवारी रद्द करवाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि उनके पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता ने इस कदम को नाकाम कर दिया।

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियरी में सीएम ममता बनर्जी ने एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने रैली में कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे केस दर्ज करवाकर भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी को रद्द करने की कोशिश की, लेकिन हमने उनकी इस साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने एक बार फिर भाजपा पर एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में हेरफेर करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने भाजपा के उस वादे की भी आलोचना की, जिसमें सत्ता में आने पर राज्य में 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (यूसीसी) लागू करने की बात कही गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा कदम 'पिछड़े समुदायों के खिलाफ' होगा और इसका मकसद लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करना होगा। ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में यूसीसी लागू करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगी।

सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि वोटर्स के नाम हटाना, चुनाव नतीजों को प्रभावित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने पहचान और नागरिकता को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि चूंकि हम बंगाली बोलते हैं, तो क्या हम भारतीय नहीं हैं? क्या हमें लगातार अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

कर्नाटक में खींचतान दिल्ली जाएंगे 20 'नेता'

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में हलचल बढ़ी है। कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस के 20 से ज्यादा वरिष्ठ विधायक दिल्ली जाने की तैयारी में हैं। यह अहम माना जा रहा है क्योंकि सरकार के 3साल पूरे हो चुके हैं और अब मंत्री पद को लेकर अंदरखाने हलचल बढ़ गई है। ये हाईकमान से मिलकर अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

पार्थ चटर्जी के घर ईडी ने की छापेमारी

कोलकाता। बंगाल में चुनाव की आहट के बीच ईडी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। शनिवार सुबह केंद्रीय एजेंसी ने कोलकाता में दो अहम ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई की जद में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और जेल में बंद बिचौलिए प्रसन्न कुमार रॉय का दफ्तर आया है।

भुजबल का हेलिकॉप्टर हेलिपैड से चूका

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल एक बड़े हादसे के शिकार होने से बच गए। उनका पुणे में हेलीकॉप्टर अपने निर्धारित हेलीपैड के बजाय गलती से एक कार पार्किंग एरिया पर उतर गया। मंत्री और हेलीकॉप्टर के पायलट, सुरक्षित हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया कि इस पूरी घटना की जांच कराई जाएगी।

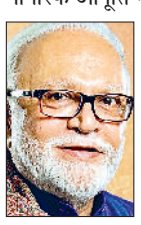

सीएआरआई बेंगलुरु को अंतरराष्ट्रीय मान्यता

बेंगलुरु। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु ने जैव रसायन एवं रुधिर विज्ञान में आईएसओ 15189:2022 मान्यता प्राप्त कर अहम उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि इसे केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) का पहला संस्थान बनाती है जिसे वैश्विक मान्यता मिली है।

बिहार में मुख्यमंत्री के नाम पर हो रहा लगातार मंथन

नाम लगभग तय..., भाजपा का मुख्यमंत्री होगा,जदयू से निशांत समेत दो डिप्टी सीएम

जनता दल यूनाइटेड के सांसद रामप्रीत मंडल का बड़ा बयान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

जल्द औपचारिक ऐलान होगा

नई सरकार पर नीतीश की पार्टी के सांसद ने कहा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। नीतीश की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के सांसद रामप्रीत मंडल ने नई सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी का होगा, यह लगभग फाइनल हो चुका है। उन्होंने कहा कि जदयू से दो डिप्टी सीएम बनाए जाने हैं, जिनमें से एक नीतीश के बेटे निशांत कुमार का नाम भी करीब-करीब तय हो गया है। झंझारपुर से जदयू सांसद रामप्रीत मंडल ने शनिवार को एक चैनल से बातचीत में बिहार में नई एनडीए सरकार का यह फॉर्मूला बताया। उन्होंने कहा कि नया सीएम भाजपा से बनना तय है। अभी मुख्यमंत्री जदयू का है और भाजपा से दो डिप्टी सीएम हैं। नई सरकार में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा, तो जदयू से दो डिप्टी सीएम होने हैं। हालांकि, नई सरकार को लेकर अभी तक कोई औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है।

जेडीयू सांसद रामप्रीत मंडल

निशांत कुमार ने भी की कई बैठकें

मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत ने एक महीने पहले ही राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले वह सक्रिय राजनीति से दूर ही थे। नीतीश के राज्यसभा चुनाव में नामांकन के बाद निशांत ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की थी। इसके बाद से वह पार्टी के क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं।

नीतीश जल्द देंगे इस्तीफा, फिर प्रक्रिया होगी शुरू

सीएम नीतीश कुमार जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं। वे राज्यसभा सांसद बन गए हैं। सत्ताधारी दलों के नेताओं का कहना है कि सीएम नीतीश के द्वारा एनडीए विधान मंडल की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें सभी के सामने नीतीश अपने इस्तीफे का औपचारिक ऐलान करेंगे। फिर राज्यपाल के पास जाकर अपना त्यागपत्र दे देंगे। इसके बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।नए सीएम का चयन नीतीश के इस्तीफे के बाद होने वाली एनडीए विधायक दल की बैठक में होगा।

भाजपा से सीएम रेस में 5 नेता

सम्राट चौधरी: भाजपा से सीएम की रेस में सबसे पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का नाम चल रहा है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, मंत्री दिलीप जायसवाल, विधायक संजीव चौरिया, सांसद संजय जायसवाल, पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी का नाम भी रेस में है।

मैं सीएम की रेस में नहीं

सिर्फ मुख्यमंत्री बदलेगा कैबिनेट का स्वरूप नहीं

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने खुद को मुख्यमंत्री की रेस से बाहर कर दिया है। उन्होंने नई सरकार के स्वरूप पर भी अपडेट दिया है। केवल सीएम बदलेगा।

ये भी नाम सीएम की रेस में

विजय कुमार सिन्हा: वे 5 बार के विधायक हैं, भूमिहार समुदाय से हैं और संघ से गहरे संबंध हैं। सिन्हा अनुभवी नेता हैं, जिनमें स्थिरता है और संगठन का नाम ऊंचा किया है।

दिलीप जायसवाल: 20 साल तक भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष रहे। जुलाई 2024 से दिसंबर 2025 तक बिहार अध्यक्ष और सिक्किम का भी इंचार्ज संभाल चुके हैं।

नित्यानंद राय: हाजीपुर से 4 बार विधायक रह चुके। 2016-2019 तक बिहार भाजपा अध्यक्ष रहे। 2014, 2019 और 2024 में उजियारपुर से सांसद बने। 2019 से केंद्रीय मंत्री हैं।

मंगल पांडे: 1988 में संध जॉइन की और 1998 में भाजपा में प्राथमिक सदस्य बने। 2013-2017 तक बिहार भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके।

सबसे ज्यादा श्रेयसी के नाम की अटकलें

सीएम बनने की लिस्ट में दो महिला उम्मीदवारों का नाम भी है। सबसे ज्यादा चर्चा खेल मंत्री और भाजपा नेता श्रेयसी सिंह की है। वे पूर्व सांसद दिग्विजय सिंह की बेटी हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाक की मध्यस्थता

केंद्र की कूटनीति को जयराम ने बताया विफल, उठाए सवाल

पाकिस्तान तो था पहलगाम हमले का आरोपी

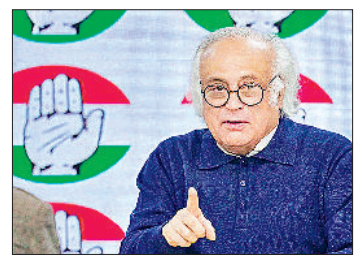

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति बहाली की उम्मीदों के बीच कांग्रेस ने भारत सरकार की कूटनीतिक विफलताओं पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि कैसे पाकिस्तान, जिसे अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा अलग-थलग करने के प्रयास किए गए थे, अब अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि अमेरिका-ईरान की बैठक इस्लामाबाद में शुरू हो रही है और पूरा विश्व, जिसमें भारत भी शामिल है, उम्मीद कर रहा है कि यह दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति प्रक्रिया की शुरुआत होगी, जो इजराइल की अपने पड़ोस में निरंतर आक्रामकता से पटरी से न उतरे।

'विश्वगुरु' के 'कथन' पर किया कटाक्ष

कांग्रेस नेता जयराम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि यह स्थिति 'स्वयं-घोषित विश्वगुरु पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यह समझा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने पहलगाम जैसे कायराना आतंकी हमले में अपनी भूमिका के बावजूद और भारत द्वारा उसे अलग-थलग करने के लिए की गई कूटनीतिक पहलों के बावजूद यह नई भूमिका कैसे हासिल कर ली। कांग्रेस ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान को अलग-थलग करने में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार की सफलता का भी उल्लेख किया और इसे एक विशेष रूप से विनाशकारी विफलता बताया।

नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' का किया जिक्र

उन्होंने सवाल उठाया कि लेकिन स्वयं-घोषित विश्वगुरु की हग्लमसी के सार और शैली पर गंभीर सवाल उठते हैं। पाकिस्तान ने अप्रैल 2025 के कायराना पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका और हमलों के बाद उसे अलग-थलग करने के लिए भारत द्वारा की गई कूटनीतिक संलग्नता के बावजूद अपने लिए एक नई भूमिका कैसे बना ली?जयराम ने पूछा मिस्टर मोदी और उनके समर्थकों के 'नमस्ते ट्रंप', 'हाउडी मोदी' और 'फिर एक बार ट्रंप सरकार' जैसे अभियानों के बाद भी भारत ने अमेरिका को पाकिस्तान को यह नई भूमिका देने की अनुमति कैसे दे दी?

मथुरा नाव हादसा

देवराहा बाबा आश्रम के पास 1 शव और मिला, 11 की मौत

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

यहां के केसीघाट और बंशीवट के बीच यमुना नदी में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें 37 श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पांटून पुल से टकराकर पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

मोटरबोट पुल से टकराई

यह हादसा तब हुआ जब लुधियाना, हिसार, मुक्तसर और जगरांव से आए श्रद्धालुओं का एक दल यमुना नदी की सैर कर रहा था। दोपहर के समय, केसीघाट और बंशीवट के बीच स्थित पांटून पुल के पास अचानक मोटरबोट लहराने लगी और पुल से जा टकराई। टक्कर के बाद नाव पलट गई, जिससे उसमें सवार श्रद्धालु यमुना के गहरे पानी में डूबने लगे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बाबैन अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहल लागू की है। इनसे फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कुरुक्षेत्र के बाबैन की अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा ले रहे थे।

उन्होंने किसानों से मंडी में गेहूं लेकर आने, फसल बेचने और पेमेंट सहित अन्य पहलुओं के बारे में बातचीत की। इस बीच किसानों ने प्रदेश सरकार की तारीफ की और कहा कि उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई। सैनी ने अपने सामने गेहूं बेचने वाले हमीदपुर निवासी किसान धर्मचंद को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य किया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और सुव्यवस्थित ढंग से खरीद कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने खरीद प्रणाली में व्यापक सुधार लागू किए हैं तथा प्रत्येक मंडी में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों की मंडियों की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उपायुक्तों को जिला स्तर पर खरीद व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है। मंत्री और विधायक भी लगातार मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, एसडीएम अनुभव मेहता, चेयरमैन जसविंद्र सिंह, जयभगवान शर्मा डीडी, प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रधान जितेंद्र खैरा, मार्केट कमेटी सचिव गुरमीत सिंह भी मौजूद थे।

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

- मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

जरूरत व इच्छा में फर्क समझें

फाइनेंशियल मैनेजमेंट की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझना। जरूरतें वे होती हैं जो जीवन के लिए जरूरी हैं, जैसे किराया, राशन, बिजली-पानी के बिल, बच्चों की फीस और रोजमर्रा के खर्च। वहीं, इच्छाएं वे हैं जो जीवन को आरामदायक बनाती हैं जैसे बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या नए गैजेट्स खरीदना। यदि आप हर खर्च से पहले खुद से यह पूछना शुरू कर दें कि "क्या यह जरूरी है या सिर्फ इच्छा?", तो आपकी आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। यह आदत आपको फालतू खर्च से बचाएगी और बचत बढ़ाने में मदद करेगी।

खर्च लिखने की आदत डालें

अक्सर हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारा पैसा कहां खर्च हो रहा है। ऐसे में रोजाना के खर्च को लिखने की आदत बेहद फायदेमंद होती है। आप एक नोटबुक या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब आप हर खर्च को रिकॉर्ड करते हैं, तो आपको साफ दिखाई देने लगता है कि किन चीजों पर ज्यादा पैसा जा रहा है।

- जैसे बार-बार बाहर खाना, ऑनलाइन ऑर्डर या बिना सोचे-समझे खरीदारी। यह आदत धीरे-धीरे आपको अनुशासित बनाती है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

हर रुपये का एक उद्देश्य तय करें

- जब आपको अपनी आय और खर्च का सही अंदाजा हो जाए, तो अगला कदम है। हर रुपये को एक उद्देश्य देना।
- आप अपनी आय को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं।
- जरूरी खर्च
- लाइफस्टाइल (इच्छाएं)
- बचत
- जब हर रुपये का काम पहले से तय होता है, तो पैसा इधर-उधर बिखरता नहीं है।

इससे आप अपने खर्च को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाते हैं और भविष्य की योजना बनाना आसान हो जाता है।

बचत को सबसे जरूरी खर्च मानें

- ज्यादातर लोग बचत को सबसे आखिरी में रखते हैं। जो बचेगा, उसे बचा लेंगे। यही सबसे बड़ी गलती है।
- सही तरीका यह है कि जैसे ही आपकी सैलरी आए, सबसे पहले एक तय राशि बचत के लिए अलग कर दें।
- भले ही शुरुआत छोटी हो, लेकिन नियमितता बहुत जरूरी है। हर महीने की यह छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़े फंड में बदल जाती है। यही फंड भविष्य में किसी इमरजेंसी में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनता है। बचत करने से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपको मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी मिलता है।

समय-समय पर खर्च की समीक्षा करें

- फाइनेंशियल प्लानिंग कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
- हर 2–3 महीने में अपने खर्चों की समीक्षा जरूर करें। देखें कि कहां ज्यादा खर्च हो रहा है, किन चीजों को कम किया जा सकता है और बचत बढ़ाने के क्या मौके हैं। बड़े बदलाव करने की बजाय छोटे-छोटे सुधार करें, जैसे बाहर खाने की आदत कम करना या अनावश्यक सब्सक्रिप्शन बंद करना। ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

समझदारी से खर्च, बेहतर भविष्य

पैसों को संभालना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ जागरूकता और अनुशासन की जरूरत होती है। जब आप अपनी जरूरतों को समझते हैं, इच्छाओं को नियंत्रित करते हैं और हर रुपये का सही इस्तेमाल करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। महीने के अंत में खाली जेब की चिंता तभी खत्म होती है, जब आप अपने पैसों पर नियंत्रण पा लेते हैं। याद रखें पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही तरीके से संभालना ही असली समझदारी है। यही छोटी-छोटी आदतें आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर जीवन में सुकून दिला सकती हैं।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

- **एसआईपी और आरडी से आसान है इमरजेंसी फंड तैयार करना**
- **निवेश नहीं, इसका जरूरत के समय काम आना है मुख्य मकसद**
- **लिक्विड फंड ही दे सकता है सही समय पर बड़ी राहत**

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

इमरजेंसी फंड न होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मुश्किल समय में लोगों को कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, करीब 70% नौकरीपेशा भारतीयों के पास कोई लिक्विड बैकअप नहीं होता। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो लोग क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं। यह कर्ज सस्ता नहीं होता। कई बार क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर 30% से 36% तक पहुंच जाती है। इसका असर यह होता है कि एक छोटी सी समस्या धीरे-धीरे बड़े कर्ज में बदल जाती है। नई नौकरी मिलने तक कर्ज बढ़ता जाता है और उसे चुकाने में कई साल लग जाते हैं।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

निवेश नहीं, सुरक्षा है प्राथमिक उद्देश्य

इमरजेंसी फंड को निवेश के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसका उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इसे ऐसे विकल्पों में रखना बेहतर होता है जहां लिक्विडिटी बनी रहे और पैसा तुरंत निकाला जा सके। कई लोग ज्यादा रिटर्न के चक्कर में इसे शेयर बाजार या लंबी अवधि के निवेश में डाल देते हैं, जो गलत रणनीति हो सकती है। इमरजेंसी में समय सबसे अहम होता है, और ऐसे में देरी या नुकसान दोनों ही परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 57% घटा सिल्वर से भी लगातार निकासी

कमोडिटी ईटीएफ में कमजोरी के बीच निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में कमोडिटी आधारित निवेश विकल्पों में सुस्ती देखने को मिली है। गोल्ड ईटीएफ में जहां निवेश 57% घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया, वहीं सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने भी निकासी दर्ज की गई। यह ट्रेंड बताता है कि निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद लंबी अवधि में सोना अब भी एक मजबूत निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में समझदारी से और चरणबद्ध निवेश की जरूरत है।

गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो घटा, दिलचस्पी बरकरार

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के 5,254 करोड़ के मुकाबले मार्च में गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया। यह 57% की बड़ी गिरावट है। हालांकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि इनफ्लो पूरी तरह रुका नहीं है, बल्कि इसकी गति धीमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, साल की शुरुआत में तेज निवेश के बाद अब बाजार सामान्य स्थिति में लौट रहा है, जिससे नए निवेश में थोड़ी कमी आई है।

सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने निकासी

सिल्वर ईटीएफ में निवेशकों का भरोसा फिलहाल कमजोर होता दिख रहा है। मार्च में 683 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 826 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब निवेशकों ने सिल्वर से पैसा निकाला है। इसका मुख्य कारण सिल्वर की अधिक अस्थिरता और हालिया गिरावट मानी जा रही है।

कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन रहा कमजोर

मार्च महीने में कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा। कुल 43 कमोडिटी ईटीएफ में से सभी ने नेगेटिव रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली

- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ: करीब 14.72% की गिरावट
- डीएसपी सिल्वर ईटीएफ: 13.96% की गिरावट
- आदित्य बिड़ला एसएल सिल्वर ईटीएफ: 13.85% की गिरावट
- जेरोधा सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- अन्य सिल्वर ईटीएफ में भी 11% से 13.80% तक की गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ भी दबाव में

गोल्ड ईटीएफ भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। मार्च में 25 गोल्ड ईटीएफ में 7.17% से 9.54% तक का नेगेटिव रिटर्न दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सोना, जिसे आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है, वह भी मौजूदा बाजार परिस्थितियों में दबाव में रहा। लंबी अवधि में सोना अभी भी मजबूत

विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही शॉर्ट टर्म में सोने में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन मिड और लॉन्ग टर्म में इसकी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक हैं।

इसके पीछे प्रमुख कारण

- वैश्विक अनिश्चितता
- महंगाई का दबाव
- सुरक्षित निवेश की मांग
- ऐसे में निवेशक गिरावट के समय धीरे-धीरे निवेश (बाई ऑन डिप्स) की रणनीति अपना सकते हैं।

सिल्वर में निवेश: सतर्कता और रणनीति जरूरी

सिल्वर की प्रकृति सोने की तुलना में ज्यादा अस्थिर होती है। यही कारण है कि इसमें अचानक तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिलती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिल्वर में एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर है।

शॉर्ट टर्म में क्या रह सकता है ट्रेंड?

- रिपोर्ट्स के अनुसार, शॉर्ट टर्म में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं। इसके पीछे कारण हैं:
- अमेरिका में ब्याज दरों में स्थिरता
- मजबूत डॉलर
- ऊंची बॉन्ड यील्ड
- इन वजहों से सोने की कीमतों में करीब 5% तक का उतार-चढ़ाव संभव है।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

- गोल्ड में गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश करें
- सिल्वर में एकमुश्त निवेश से बचें
- एसआईपी या स्टैगर्ड तरीका अपनाएं
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, लॉन्ग टर्म पर फोकस रखें

फिलहाल दबाव बना

मार्च 2026 के आंकड़े बताते हैं कि कमोडिटी ईटीएफ, खासकर गोल्ड और सिल्वर में फिलहाल दबाव बना हुआ है। हालांकि, यह गिरावट स्थायी नहीं मानी जा रही। सोना अभी भी लंबी अवधि के लिए एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में सावधानी और सही रणनीति के साथ निवेश करना जरूरी है। निवेशकों के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से कदम उठाने का है। सही रणनीति और धैर्य के साथ किया गया निवेश भविष्य में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद, पैसिव फंड्स में भी तेजी

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़

- **फ्लेक्सी कैप फंड्स में सबसे ज्यादा 10,054 करोड़ का इनफ्लो**
- **पैसिव फंड्स में भी दिखाई दी 122 प्रतिशत तक की उछाल**

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में म्यूचुअल फंड निवेश के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% की तेज बढ़त के साथ 40,450 करोड़ तक पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत होते भरोसे का संकेत है। खासकर फ्लेक्सी कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखा गया। इसके विपरीत, डेट और हाइब्रिड फंड्स से बड़ी मात्रा में निकासी हुई, जो बाजार में बदलती रणनीति को दर्शाती है। वहीं, कम लागत और पारदर्शिता के चलते इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसे पैसिव फंड्स में निवेश में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। यह ट्रेंड साफ संकेत देता है कि निवेशक अब अधिक जागरूक होकर लॉन्ग टर्म ग्रोथ और बेहतर रिटर्न के लिए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निवेश के पैटर्न और भी स्पष्ट हो सकते हैं।

इक्विटी फंड्स में 56% की छलांग

मार्च महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 40,450 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया, जो फरवरी के 25,977 करोड़ रुपये के मुकाबले 56% अधिक है। सालाना आधार पर भी इसमें 61% की बढ़त देखने को मिली, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उछाल के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं जैसे बाजार में स्थिरता, लंबी अवधि के निवेश का बढ़ता ट्रेंड और एसआईपी के जरिए नियमित निवेश।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने मारी बाजी

इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में से फ्लेक्सी कैप फंड्स सबसे आगे रहे। मार्च में इनमें 10,054 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का इनफ्लो दर्ज हुआ है। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह है कि ये बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में लचीलापन रखते हैं, जिससे जोखिम और रिटर्न का बेहतर संतुलन मिलता है।

मिडकैप-स्मॉलकैप फंड्स में भी दम

- स्मॉलकैप फंड्स : 6,263 करोड़ रुपये का इनफ्लो
- मिडकैप फंड्स : 6,063 करोड़ का इनफ्लो रुपये
- इन दोनों कैटेगरी में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही। खासकर स्मॉलकैप फंड्स में 61% और मिडकैप में 51% की मासिक बढ़त दर्ज की गई, जो हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न रणनीति की ओर इशारा करती है।

वैल्यू और फोकस्ड फंड्स में तेज ग्रोथ

- मंथली आधार पर
- वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स: 196% वृद्धि
- फोकस्ड फंड्स: 169% वृद्धि
- हालांकि कुल इनफ्लो के मामले में वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स सबसे नीचे रहे, जहां 2,155 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ईएलएसएस और डिविडेंड फंड्स से निकासी

- मार्च में कुछ इक्विटी कैटेगरी में निवेशकों ने मुनाफावसूली भी की:
- ईएलएसएस फंड्स: 437 करोड़ का आउटफ्लो
- डिविडेंड फंड्स: 59.21 करोड़ का आउटफ्लो
- संकेत देता है कि निवेशक टैक्स सेविंग या डिविडेंड आधारित रणनीतियों से हटकर ग्रोथ-ओरिएंटेड फंड्स की ओर बढ़ रहे।

डेट फंड्स से भारी निकासी

- 2.94 लाख करोड़ का आउटफ्लो, लिक्विड फंड्स सबसे ज्यादा प्रभावित
- मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स से कुल 2.94 लाख करोड़ की निकासी हुई, जो फरवरी के 42,106 करोड़ के रइनफ्लो उलट है।

सबसे ज्यादा निकासी इन कैटेगरी में

- लिक्विड फंड्स: 1.34 लाख करोड़ रुपये
- ओवरनाइट फंड्स: 40,227 करोड़ रुपये
- मनी मार्केट फंड्स: 29,206 करोड़ रुपये
- यह ट्रेंड अक्सर मार्च में देखा जाता है।

हाइब्रिड फंड्स में भी गिरावट

- मार्च में हाइब्रिड फंड्स से 16,538 करोड़ का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 11,983 करोड़ रुपये का इनफ्लो था।

इन कैटेगरी में आया पैसा?

- मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स : 5,212 करोड़ रुपये
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स: हल्का पॉजिटिव इनफ्लो

सबसे ज्यादा निकासी

- आर्बिट्राज फंड्स : 21,113 करोड़ रुपये
- इक्विटी सेविंग्स फंड्स: 1,131 करोड़ रुपये
- यह दर्शाता है कि निवेशक कम-रिटर्न वाले या जटिल प्रोडक्ट्स से दूरी बना रहे।

जीत की दौड़ में टूट रहे खिलाड़ी : तकनीक की अनदेखी व ओवरट्रेनिंग कर रही चोटिल

⏭विशेषज्ञों की चेतावनी, रिकवरी की कमी से भी बढ़ रहा इंजरी का खतरा

⏭40-50% धावक हर साल हो रहे चोटिल, क्या गलत कर रहे खिलाड़ी

रोहित डागर ⏭रोहतक

आधुनिक खेल प्रतिस्पर्धा में जहां खिलाड़ी नए कीर्तिमान बना रहे हैं, वहीं चोटों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। खासतौर पर धावकों और एथलीटों में घुटने, टखने व मांसपेशियों से जुड़ी समस्याएं आम हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जल्द परिणाम पाने की होड़, ओवरट्रेनिंग और सही तकनीक की अनदेखी खिलाड़ियों के करियर पर भारी पड़ रही है यानी जीत की अंधाधुंध दौड़ में हमारे खिलाड़ी टूट रहे हैं। रोहतक के वरिष्ठ चिकित्सकों और खेल कोचों ने इन बढ़ती चोटों के कारणों और उनसे बचाव के वैज्ञानिक तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला है।

माइक्रोट्रॉमा से स्ट्रेस फ्रैक्चर तक खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा खतरा

रनर्स नी भी बेहद गंभीर

घुटने के दर्द को रनर्स नी भी कहा जाता है। कुछ खिलाड़ियों को रनिंग करते समय अक्सर घुटनों में दर्द होने लग जाता है, जिसकी वजह से वह अपने खेल पर ध्यान नहीं दे पाते। जो लोग प्रोफेशनल एथलीट होते हैं या जो रोजाना रनिंग करना पसंद करते हैं उनको रनिंग करने से पहले सही टिप्स फॉलों करने चाहिए और कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए दौड़ना चाहिए।

क्षमता से अधिक दबाव मुख्य कारण : डॉ. राजेश रोहिल्ला

पीजीआईएमएस रोहतक के खेल चिकित्सा एवं खेल चोट केंद्र के विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजेश रोहिल्ला के अनुसार खिलाड़ी अक्सर अपनी शारीरिक क्षमता से अधिक अभ्यास करते हैं, जिससे शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। दौड़ के दौरान शरीर पर बार-बार पड़ने वाला दबाव 'रिपीटेड माइक्रोट्रॉमा' पैदा करता है, जो आगे चलकर स्ट्रेस फ्रैक्चर जैसी गंभीर समस्या बन सकता है। आंकड़ों के अनुसार, हर साल 40-50% धावक किसी न किसी चोट का शिकार होते हैं।

तकनीक और धैर्य की कमी : कोच

एथलेटिक कोच रमेश सिंधु का कहना है कि आजकल एथलीटों में 'शॉर्टकट' अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। खिलाड़ी अक्सर अचानक ज्यादा दूरी तय करने या बहुत तेज गति से अभ्यास शुरू कर देते हैं। इसमें गलत तकनीक, मांसपेशियों की कमजोरी और पर्याप्त आराम (रिकवरी) की कमी 'आग में घी' का काम करती है। कई बार 'ओवरकॉन्फिडेंस' के कारण खिलाड़ी शुरुआती दर्द को मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में उनके करियर पर पूर्णविराम लगा सकता है। दौड़ने वाले खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा प्रभाव घुटने, टखने और पैर के निचले हिस्से पर पड़ता है।

एआई जनरेटेड फोटो

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

⏭10% नियम का पालन: अभ्यास की तीव्रता या दूरी को हर सप्ताह 10% के अनुपात में बढ़ाएं।

⏭आहार पर ध्यान: हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम, विटामिन-डी और प्रोटीन युक्त आहार (दूध, दही, दाल, अंडा, हरी सब्जियां) लें।

⏭वॉर्म-अप और स्ट्रेचिंग: ट्रेनिंग से पहले वॉर्म-अप और बाद में कूल-डाउन को दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाएं।

⏭आइसोमेट्रिक एक्सरसाइज: घुटने और टखने की मजबूती के लिए नियमित रूप से आइसोमेट्रिक व्यायाम और कैल्फ स्ट्रेचिंग करें।

⏭चेतावनी संकेत पहचानें: यदि दर्द आराम के समय भी बना रहे, सूजन आए या चलने में कठिनाई हो, तो उसे नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ की सलाह लें।

ये बड़ी समस्याएं

⏭रनर्स नी (घुटने का दर्द)
⏭शिन स्प्लिंट (पैर के आगे दर्द)
⏭आईटी बैंड सिंड्रोम
⏭स्ट्रेस फ्रैक्चर

यह करें खिलाड़ी

⏭पूर्ण विश्राम के बजाय 'सीमित गतिविधि'
⏭'गाइडेड फिजियोथेरेपी'
⏭ठंडी सिकाई
⏭सही जूतों का चुनाव

रोहतक पीजीआई का सेंटर बना वरदान

⏭स्पोर्ट्स इंजरी का विशेषज्ञ इलाज
⏭स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट द्वारा काउंसलिंग
⏭अर्ली रिहेबिलिटेशन की सुविधा
⏭एक्स-रे, सर्जरी और फिजियोथेरेपी उपलब्ध
⏭तेजी से मैदान में वापसी की तैयारी
⏭पीजीआई में कमरा नंबर 81 में रोजाना ओपीडी।

चोट, शादी और बच्चे के बाद ट्रैक पर लौटीं धाविका पूनम

■ 23 किलो वजन घटाकर पेश की मिसाल

जुनून और अटूट इच्छाशक्ति हो तो मंजिल हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। एक महिला एथलीट ने शादी और मातृत्व के सुखद पड़ाव के बाद न केवल मैदान पर वापसी की है, बल्कि महज चार महीने के भीतर 23 किलो वजन घटाकर सबको हैरान कर दिया है। महिला खिलाड़ी पूनम ने बताया कि उनके खेल करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। साल 2016 में उन्हें पहली बड़ी इंजरी हुई, जिसके बाद 2017 में शानदार वापसी की और 2018 में नेशनल क्रॉस कंट्री में कांस्य पदक और ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में रजत पदक जीता। इसके बाद 2019 में एंकल ट्विस्ट होने से फिर खेल से दूर होना पड़ा।

यहां करवाया इलाज

दिल्ली के सफदरजंग स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर गुड़गांव और रोहतक में उपचार लिया। एंकल की पुरानी चोट के लिए उन्होंने रोहतक के वैद्य से भी सहायता ली।

उपलब्धियों भरा सफर

⏭1500 मीटर व 5 किलोमीटर की दौड़ मुख्य स्पर्धाएं।
⏭10 किलोमीटर दौड़ में उन्होंने 35.2 मिनट का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।
⏭खेलो इंडिया वुमन लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। 'डीजी डिस्क' से भी सम्मानित किया।

फिजियोथेरेपी और वैज्ञानिक तकनीक का महत्व

पीजीआईएमएस रोहतक की स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. हेमलता ने बताया कि ट्रेनिंग से पहले वॉर्म-अप और बाद में कूल-डाउन न करना मांसपेशियों में 'स्ट्रेन' का मुख्य कारण है। शिन स्प्लिंट (एमटीएसएस) अक्सर शुरुआती खिलाड़ियों में ओवरट्रेनिंग के कारण होता है। वहीं, 'एचिल्स टेंडिनाइटिस' में कैल्फ मांसपेशियां इतनी टाइट हो जाती हैं कि चलना भी दूभर हो जाता है। हाई इंटेंसिटी स्प्रिंट के दौरान 'हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन' एक गंभीर समस्या बनकर उभरती है।

आईपीएल: श्रेयस-प्रभसिमरन-प्रियांश ने खेली तूफानी पारी

पंजाब किंग्स की जीत जारी, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेज किए 220 रन, 6 विकेट से पीटा

एजेंसी ⏭मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 69 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स ने अय्यर (33 गेंद, पांच चौके, पांच छक्के), प्रियांश आर्य (57) और प्रभसिमरन सिंह (51) के अर्धशतकों से यह लक्ष्य 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स ने शानदार खेल जारी रखते हुए आईपीएल 2026 में तीसरी जीत हासिल की। यह पंजाब की चार मैच में तीसरी जीत है। उसका एक मैच बारिश से धुल गया था। वहीं हैदराबाद को चार मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

प्रियांश और प्रभसिमरन ने की 99 रन की साझेदारी

प्रियांश और प्रभसिमरन की जोड़ी ने तूफानी बैटिंग करते हुए पंजाब को पावरप्ले में ही आगे कर दिया। इन दोनों ने 99 रन की साझेदारी की। हैदराबाद का कोई बॉलर इन पर अंकुश नहीं लगा सका. प्रियांश ने 20 गेंद में पांच छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 57 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन ने 25 गेंद में चार छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 51 रन बनाए। ये दोनों बल्लेबाज 18 रन के अंतराल में आउट हुए। तीसरे नंबर पर आए कूपर कोनोली 11 रन बना सके और सस्ते में निपट गए।

अभिषेक ने 254 के स्ट्राइक रेट से बनाए 74 रन

अभिषेक के बल्ले से पंजाब के खिलाफ 28 गेंदों पर 74 रन निकले और इस दौरान उन्होंने 8 छक्के व 5 चौके भी लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 254.29 का रहा। अभिषेक ने इस मैच में अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया और वो आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल 5वीं बार किया। इससे पहले इस लीग में 20 से कम गेंदों पर ऐसा कमाल 4 बार निकोलस पूरन कर चुके हैं और अब वो अभिषेक से नीचे यानी दूसरे नंबर पर आ गए। वैभव ने ऐसा इस लीग में अब तक 3 बार किया है और वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

अय्यर जीत दिलाकर लौटे

हैदराबाद की वापसी की किसी भी उम्मीद को कप्तान श्रेयस अय्यर ने जगने नहीं दिया। उन्होंने एक छोर थाम लिया और जबरदस्त अर्धशतक बनाया। नेहाल वढ़ेरा (14) की खराब फॉर्म जारी रही। लेकिन अय्यर और शशांक ने मिलकर सात गेंद बाकी रहते टीम को आसान जीत दिला दी। शशांक 9 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की ओर से शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का अर्शदीप बो शशांक	74	28	5	8
ट्रेविस हेड का बार्टलेट बो शशांक	38	23	5	1
ईशान का यानसेन बो अर्शदीप	27	17	3	1
क्लासेन का कोनोली बो बार्टलेट	39	33	1	1
अनिकेत वर्मा रन आउट	18	9	1	1
अरोड़ा का बार्टलेट बो अर्शदीप	09	8	0	1
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	00	1	0	0
हर्ष दुबे नाबाद	01	2	0	0
अतिरिक्त : 13, कुल योग : 20 ओवर में 219/6 रन				
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-50-2, बार्टलेट 4-0-42-1, यानसेन 4-0-40-0, विशाक 2-0-33-0, शशांक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0				
पंजाब किंग्स :	रन	गेंद	4	6
प्रियांश आर्य का रेड्डी बो शिवांग	57	20	5	5
प्रभसिमरन का क्लासेन बो शिवांग	51	25	4	4
कोनोली का वर्मा बो शिवांग	11	12	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	69	33	5	5
नेहाल वढेरा बो हर्ष दुबे	14	14	0	1
शशांक सिंह नाबाद	16	10	1	1
अतिरिक्त : 05, कुल योग : 18.5 ओवर में 223/4 रन				
गेंदबाजी : हर्ष दुबे 4-0-38-1, उनादकट 3-0-40-0, मलिंगा 3-0-46-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतिश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0				

सैमसन और ओवरटन के शानदार खेल से सीएसके ने दिल्ली को हरा खोला जीत का खाता

एजेंसी ⏭चेन्नई

संजू सैमसन की नाबाद शतकीय पारी के बाद जैमी ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 मैच में शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर मौजूदा सत्र में पहली जीत का स्वाद चखा। आईपीएल के मौजूदा सत्र में अपनी निराशाजनक शुरुआत को पीछे छोड़ते हुए सैमसन ने 56 गेंदों की नाबाद पारी में 15 चौकों और चार छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है। सुपरकिंग्स ने दो विकेट पर 212 रन बनाने के बाद कैपिटल्स को आखिरी गेंद पर 189 रन पर ऑल आउट कर दिया और अपने घरेलू मैदान पर लगातार छह हार के बाद जीत दर्ज की। चार मैचों में पहली जीत से सुपरकिंग्स की टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार मैचों में दूसरी हार के बाद चौथे स्थान पर है। कैपिटल्स के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन की पारी खेली। पथुम निसंका ने 41 रन का योगदान दिया, लेकिन यह टीम के लिए काफी साबित नहीं हुआ।

ओवरटन ने बल्लेबाजों के लिए आसान परिस्थितियों में चार ओवर में महज 18 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें अंशुल कंबोज का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने चार ओवर में 35 रन देकर तीन विकेट लिए।

दिल्ली को 23 रन से हराया

ओवर्टन को चार विकेट

घरेलू रिकॉर्ड ने बढ़ाई टेंशन गुजरात से भिड़ेगी एलएसजी

मुकाबला आज दोपहर 3.30 बजे

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को मुकुल चौधरी के रूप में एक नया स्टार मिल गया है, लेकिन आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले उसके लिए घरेलू मैदान पर खराब रिकॉर्ड बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। एलएसजी और गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा होगा। गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की थी, जिससे उसने अपना खाता भी खोला। एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

वानखेड़े में गरजेगी इंडियंस आरसीबी को देगी कड़ी टक्कर

आज शाम 7.30 बजे से रजत और हार्दिक की टीम में टक्कर

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ़ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरुआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। पांच बार की चैंपियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0.715) के साथ आठवें स्थान पर है।

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 13 गोल्ड

एजेंसी ⏭शिमला

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शनिवार को दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्ग में 13 स्वर्ण पदक जीतकर अपना क्षेत्रीय दबदबा साबित कर दिया। यह टूर्नामेंट एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर भी है। भारत के प्रियनुज भट्टाचार्य ने अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में हमवतन पुनीत बिस्वास को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। युगल में एमआर बालमुरुगन और मेहान सेंथिल ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के अबुल हसीब और नफीज इकबाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में आदित्य दास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में हमवतन खिलाड़ी अक्षय किरिकारा को हराया। युगल का खिताब भी भारत के ही पास रहा, जिसमें ऋषान चट्टोपाध्याय और आकाश राजवेलु ने नेपाल के खिलाफ पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। लड़कियों के वर्ग में जेनिफर वर्गीज ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अंडर-19 फाइनल में हमवतन अनन्या मुरलीधरन को हराया जबकि अंकोलिका चक्रवर्ती ने आहोना रे को पछाड़कर अंडर-15 का खिताब जीता। भारत ने लड़कियों के युगल के दोनों वर्ग में भी क्लीन स्वीप किया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईकेआर: शीर्ष पर पहुंची 11 वर्षीय अतिका

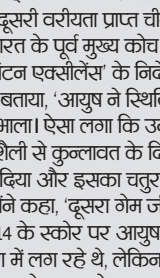

लोनाटो। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्जरलैंड के जोल्टन कोइग्नी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी। अतिका का लक्ष्य फॉर्मूला वन में जगह बनाना है। किसी भी महिला रेसर ने 1992 के बाद फॉर्मूला वन में भाग नहीं लिया है।

ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात

मेलबर्न। ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बनाई। ब्रिटेन ने शुक्रवार को दोनों एकल मैच जीत कर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। उसकी युगल जोड़ी हैरियट डार्ट और जोडी बुरेज ने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और एलेन पेरेज को 6-3, 6-4 से हराकर अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिलाई। एकल मैचों में शुक्रवार को 17 वर्षीय मीका स्टोजसावल्जेविच ने तालिया गिब्सन को 7-6 (4), 7-5 से और डार्ट ने किम्बर्ली बिररेल को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया की 17 वर्षीय खिलाड़ी एमर्सन जोन्स ने केटी स्वान को 7-5, 6-3 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप: डिफेंडिंग चैंपियन वितिदसर्न को हराया

आयुष ने किया 60 साल का सूखा खत्म, फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ⏭निंगबो

भारत के आयुष शेट्टी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन कुन्लावत वितिदसर्न को शनिवार को तीन गेम के मुकाबले में हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21- 17 से जीत दर्ज की। वह दिनेश खन्ना के बाद इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए। खन्ना ने 1965 में पुरुष एकल स्वर्ण जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में खिताब जीता था।

आक्रामक शैली से कुन्लावत पर बनाया दबाव

अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन आयुष का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन या दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के शि यू की से होगा। भारत के पूर्व मुख्य कोच और 'सेंटर फॉर बैडमिंटन एक्सीलेंस' के निदेशक विमल कुमार ने बताया, 'आयुष ने स्थिति को अच्छी तरह से संभाला। ऐसा लगा कि उन्होंने अपनी आक्रामक शैली से कुन्लावत के दिमाग पर दबाव बना दिया और इसका चतुराई से फायदा उठाया।'उन्होंने कहा, 'दूसरा गेम जीतना बहुत अहम था। 20-14 के स्कोर पर आयुष शेट्टी पूरी तरह से नियंत्रण में लग रहे थे, लेकिन जब वितिदसर्न ने वापसी करते हुए स्कोर 20-19 कर दिया तो वह थोड़े चिंतित हो गए। ठीक उसी समय उन्होंने कुछ विशेष किया, जिससे वह गेम अपने नाम करने में कामयाब रहे।

बैकहैंड पर फ्लिक से आयुष ने बनाए छह अंक

वितिदसर्न ने शुरुआत में 4-0 की बढ़त बना ली। ब्रेक के समय स्कोर 11-5 था और पहला गेम उन्होंने आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में आयुष ने दमदार वापसी की और कूदकर स्मैश लगाते हुए 3-1 की बढ़त बनाई। यह जल्दी ही 7-1 की हो गई चूंकि वितिदसर्न ने कई सहज गलतियां कीं। ब्रेक के समय स्कोर 11-4 था। आयुष ने बीच में कुछ गलतियां कीं, जिससे वितिदसर्न ने 13-11 से वापसी की लेकिन जल्दी ही क्रॉसकोर्ट स्मैश से वापसी करते हुए स्कोर 16-11 कर लिया।

ई-नीलामी सूचना

(क्षतिग्रस्त भवन धातु स्क्रैप, प्लांट एवं मशीनरी और स्टॉक) के निपटान के लिए इच्छुक खरीदारों से ई-नीलामी फॉर्म आमंत्रित किए जाते हैं। यह नीलामी "जैसा है जहां है" के आधार पर, प्रति किलोग्राम के हिसाब से की जाएगी। यह नीलामी मेसर्स साई प्रिंट एंड पैक के भवन धातु स्क्रैप, प्लांट एवं मशीनरी और स्टॉक की है। (सर्वेक्षण एसोसिएटेड इंस्पेक्शेस सर्वेयर्स एंड लॉस असेसर्स एलएलपी द्वारा किया गया है)। उपरोक्त सामग्रियों का निरीक्षण पृथला-धातिर रोड, ग्राम दुधौला, पलवल, हरियाणा - 121102 में 13/04/26 से 18/04/26 के बीच श्री गौरव (8826662660) से पूर्व नियुक्ति लेकर किया जा सकता है। ई-नीलामी 20/04/26 को आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी प्रपत्रों के लिए, खुशी सिंह से मोबाइल नंबर 9990857386 पर संपर्क करें।

साल्वर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

पता: 203, द्वितीय तल, उषा किरण बिल्डिंग, आजादपुर वाणिज्यिक परिसर आकाश सिनेमा के पास दिल्ली - 110033 या वेबसाइट से डाउनलोड करें :
www.salvorsettlers.com
ई-नीलामी फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 20/04/26 दोपहर 12:30 बजे से पहले है।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में बड़ा दावा

संघर्षविराम के बीच ईरान को नए एयर डिफेंस सिस्टम देने की तैयारी में चीन! तीसरे देशों के जरिए भेजेगा, बीजिंग ने किया रिपोर्ट का खंडन

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन द्वारा भेजे जाने वाले सिस्टम में मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हो सकते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के लिए चीन की यात्रा करने वाले हैं

चीन बोला- कभी भी संघर्ष के किसी भी पक्ष को हथियार नहीं दिए

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की खुफिया रिपोर्टों ने एक चौंकाने वाले खुलासे की ओर इशारा किया है, जिसके अनुसार चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नई वायु रक्षा प्रणालियां (एयर डिफेंस सिस्टम) भेजने की तैयारी कर रहा है। तीन खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुआ अस्थायी सीजफायर बेहद नाजुक स्थिति में है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन द्वारा भेजे जाने वाले सिस्टम में मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हो सकते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के लिए चीन की यात्रा करने वाले हैं। यह संभावित हथियार आपूर्ति इसलिए भी संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि चीन ने हाल ही में इस संघर्षविराम को कराने में भूमिका निभाने का दावा किया था।

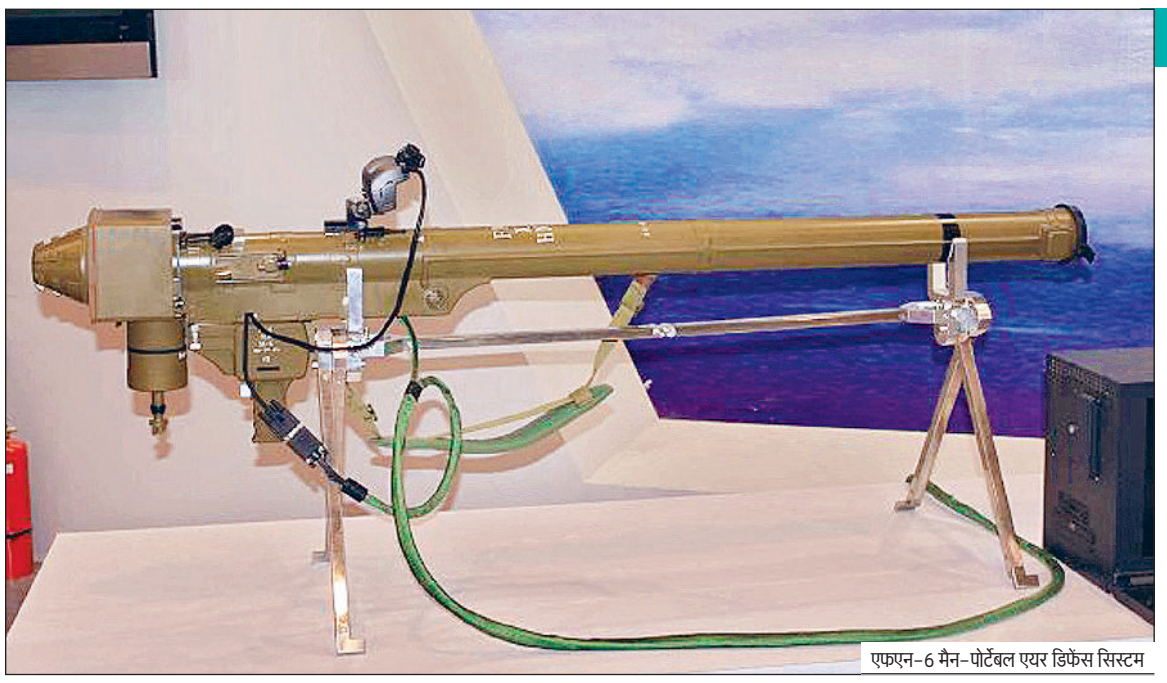
एफएन-6 मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

रिपोर्ट असत्यः चीन

वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि चीन ने कभी भी संघर्ष के किसी भी पक्ष को हथियार प्रदान नहीं किया है, रिपोर्ट में दी गई जानकारी असत्य है। उन्होंने आगे कहा कि एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, चीन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करता है। हम अमेरिकी पक्ष से निराधार आरोप लगाने, दुर्भावनापूर्ण संबंध जोड़ने और सनसनी फैलाने से बचने का आग्रह करते हैं। हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष तनाव कम करने में मदद करने के लिए और अधिक करेंगे। इससे पहले, दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा था कि अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से बीजिंग युद्धविराम कराने और संघर्ष समाप्त करने में मदद करने के लिए काम कर रहा था। बता दें, ईरान ने लंबे समय से चीन और रूस दोनों के साथ सैन्य और आर्थिक रिश्ते बनाए हैं। ईरान ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को शाहेद ड्रोन देकर बहुत मदद की है और चीन को अपने सैंक्शन किए गए तेल का बड़ा हिस्सा भी बेचता है।

दावाः मोजतबा खामेनेई के चेहरे पर गंभीर चोटें

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई को लेकर एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। इसके साथ ही उनके एक या दोनों पैरों के कटने की भी अटकलें है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई की स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। चोटों के बावजूद वह मानसिक रूप से सक्रिय बने हुए हैं। वे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग ले रहे हैं। युद्ध और अमेरिका के साथ बातचीत सहित प्रमुख मुद्दों पर निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

ये हैं चीन के मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

क्यूडब्ल्यू-18 मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

चीन के प्रमुख मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम में एफएन-6, एफएन-16,और क्यूडब्ल्यू-सीरिज (क्यूडब्ल्यू-18) शामिल हैं। ये कंधे से दागे जाने वाली तीसरी और चौथी पीढ़ी की मिसाइलें हैं, जो कम ऊंचाई वाले विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन को 6 किमी तक मार गिराने में सक्षम हैं। ये सिस्टम, विशेष रूप से एफएन-6, निर्यात के लिए लोकप्रिय हैं और विभिन्न देशों में सक्रिय हैं। चीनी मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम एनएन-6 जिसे फ्लाइंग क्रॉसबो-6 भी कहा जाता है तीसरी पीढ़ी का इंफ्रारेड होमिंग सिस्टम है, जो 3.8 किमी की अधिकतम ऊंचाई तक मार कर सकता है।

छह अरब डॉलर की संपत्ति अनफ्रीज करेगा अमेरिका

अमेरिका कतर में ईरान की छह अरब डॉलर की संपत्ति अनफ्रीज करने को तैयार हो गया है। ईरानी सूत्रों के अनुसार अमेरिका कतर और अन्य देशों में रखे ईरानी फंड को अनफ्रीज करने पर सहमत हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका कतर और अन्य विदेशी बैंकों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्ति को जारी करने पर सहमत हो गया है। एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे वाशिंगटन की ओर से समझौते तक पहुंचने की दिशा में 'गंभीरता' के संकेत के रूप में बताया है। यह कदम न केवल संकटग्रस्त ईरानी अर्थव्यवस्था के लिए राहत ला सकता है, बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के कूटनीतिक प्रयासों से भी सीधा जुड़ा हुआ है।

लेबनान का इजराइल पर ड्रोन हमला, बजे सायरन

इजराइली सेना ने बताया है कि लेबनान की ओर से एक ड्रोन घुसपैठ का पता चला है, जिसके बाद अरब अल-अरामशे और पश्चिमी गलील के कई शहरों में सायरन बजाए गए। पिछले कुछ दिनों से इजराइल और लेबनान के बीच सीमा पर लगातार संघर्ष और जवाबी हमले हो रहे हैं, जबकि दोनों पक्षों से संघर्षविराम की अपीलें भी की जा रही हैं।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागे कई रॉकेट

हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैनिकों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार, शनिवार तड़के करीब 1:40 बजे (स्थानीय समय) उसने टायर क्षेत्र के शामा कस्बे में एक घर में मौजूद इजराइली सैनिकों पर हमला किया। इसके अलावा, हिजबुल्लाह ने यह भी कहा कि उसने मध्यरात्रि के तुरंत बाद इजराइल के किर्यात शमोना, मेटुला और मिसगाव आम जैसे इलाकों पर रॉकेटों की बौछार की।

'जग विक्रम' ने होर्मुज स्ट्रेट किया पार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि भारत के झंडे वाला एलपीजी जहाज 'जग विक्रम' शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच इस होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा। शनिवार दोपहर को पूर्व की ओर बढ़ते हुए, जलडमरूमध्य के पूर्व में ओमान की खाड़ी में स्थित था। इस जहाज पर लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा है और इसमें 24 नाविक सवार हैं। इसके 15 अप्रैल 2026 को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है।

यूक्रेनी सेना ने ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिरायाः जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि ईरान युद्ध के दौरान यूक्रेनी सेना ने पश्चिम एशिया के कई देशों में ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिराया। उन्होंने कहा, ये अभियान एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत यूक्रेन अपने सहयोगी देशों को उन हथियारों से निपटने में मदद कर रहा है जिनका इस्तेमाल रूस उसके खिलाफ कर रहा है। राष्ट्रपति ने इन अभियानों की पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की, जिसे शुक्रवार तक सार्वजनिक नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यूक्रेनी बलों ने देश में विकसित और युद्ध में परखे गए इंटरसेप्टर ड्रोन का उपयोग करते हुए विदेशों में सक्रिय अभियानों में भाग लिया। ये इंटरसेप्टर ड्रोन यूक्रेन में रूस द्वारा इस्तेमाल ईरान-निर्मित ड्रोन का मुकाबला करने में कारगर साबित हुए हैं।

पेंटागन का खुलासा

युद्ध में अमेरिकी सैनिक पी गए 9.5 लाख गैलन कॉफी और 20 लाख एनर्जी ड्रिंक

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की एक ब्रीफिंग में ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिकी सैनिकों की खपत को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन कैन ने बताया कि इस सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों ने लगभग 9.5 लाख गैलन कॉफी पी। जनरल कैन ने कहा कि यह संघर्ष बेहद तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इसे बेहद कठिन और लगातार दबाव वाला ऑपरेशन बताया। कॉफी के अलावा, सैनिकों ने लगभग 20 लाख एनर्जी ड्रिंक भी पी, जिससे लगातार ऑपरेशन के दौरान उनकी सतर्कता बनी रहे।

बड़ी मात्रा में भोजन का सेवन किया

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैनिकों ने इस अवधि में लगभग 60 लाख भोजन का सेवन किया। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में निकोटिन उत्पादों की खपत भी दर्ज की गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि लंबे सैन्य अभियानों में केवल हथियार ही नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधन भी कितने महत्वपूर्ण होते हैं। पेंटागन ब्रीफिंग के दौरान जनरल कैन ने हल्के अंदाज में कहा कि वे यह नहीं कह रहे कि कोई समस्या है, जिस पर वहां मौजूद लोगों के बीच हल्की मुस्कान देखी गई। लेकिन उन्होंने साफ किया कि यह सैन्य अभियान बेहद कठिन परिस्थितियों में संचालित किया गया। उनके अनुसार, हालात गर्म, अराजक, अंधेरे और अनिश्चित थे।

होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों

दावाः अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है। ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है। बता दें, अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल कर होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगों का जाल बिछाया था।

आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था।

भारतीयों की नेकी के हम कायल, शुक्रियाः ईरान

भारत में ईरानी दूतावास ने ऐलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे।

खबर संक्षेप

रियल एस्टेट कंपनी पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में स्थित रियल एस्टेट कंपनी 'अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड' के खिलाफ छापेमारी के दौरान 6.3 करोड़ रुपए नकद और 7.5 करोड़ रुपए के आभूषण जब्त किए हैं। यह कंपनी घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रही है और वर्तमान में दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। कंपनी के दिल्ली और गुरुग्राम स्थित 10 परिसरों पर छापे मारे गए। यह कार्रवाई पीएमएलए) के तहत शुक्रवार को की गई।

लद्दाख को आधार रिकार्ड में अलग पहचान मिली

लेह। जम्मू कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य से 2019 में पृथक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर सृजन के लगभग सात साल बाद लद्दाख ने आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। आधार में 'जम्मू कश्मीर' को हटकर अब 'लद्दाख' कर दिया गया है। जनता की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद पूरा किया गया।

पीयूष गोयल और अल कासबी के बीच अहम बातचीत, व्यापार बढ़ाने पर फोकस

क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ वर्चुअल कॉल पर महत्वपूर्ण बातचीत की। इस दौरान दोनों देशों ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने पर चर्चा की। बैठक के दौरान पीयूष गोयल ने हाल ही में घोषित युद्धविराम का स्वागत करते हुए आशा जताई कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा स्थापित होगी। उन्होंने सऊदी अरब के लोगों के साहस की सराहना की, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखने में जुटे हैं।

वैकल्पिक मार्गों की खोज के प्रयासों की सराहना की

आर्थिक साझेदारी को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता

दोनों पक्षों का आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार पर जोर

दोनों पक्षों ने माना कि संघर्ष के कारण क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव पड़ा है। उन्होंने समन्वित प्रयासों के जरिए व्यापार प्रवाह को सुचारू बनाए रखने और जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

निर्यात और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए

पीयूष गोयल ने सऊदी अरब और खाड़ी क्षेत्र में निर्यात को समर्थन देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता में तेजी लाने की उम्मीद जताई गई। दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

जीसीसी महासचिव बुदैवी से की बात

पीयूष गोयल ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव जसीम मोहम्मद अल बुदैवी के साथ वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। गोयल ने आवश्यक खाद्य पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने और वैकल्पिक मार्गों की खोज के प्रयासों की सराहना की। दोनों पक्षों ने निर्बाध और सुचारू व्यापार प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि वैश्विक आपूर्ति प्रणाली मजबूत बनी रहे। बैठक में सहयोग और पारस्परिक समर्थन के साथ भारत-जीसीसी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई।

भारत-बहरीन आर्थिक साझेदारी और मजबूत करेंगे

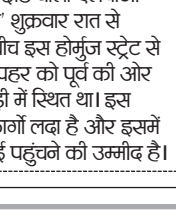

पीयूष गोयल ने बहरीन के उद्योग और वाणिज्य मंत्री अब्दुल्ला बिन आदेल फखरो के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, स्थिरता और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने निरंतर सहयोग और घनिष्ठ जुड़ाव के जरिए भारत-बहरीन आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत-नेपाल के रिश्तों को मजबूती

केंद्र ने बाराबंकी-बहराइच हाईवे को 4 लेन एक्सेस की दी मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और नेपाल के बीच गहरे आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिलने जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-927 के बाराबंकी-बहराइच खंड को 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी गई है, जिससे सीमा पार व्यापार को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रूपाईडीहा लैंड पोर्ट और नेपाल के नेपालगंज से बेहतर संपर्क स्थापित करेगी। भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच कुल व्यापार का 60% से अधिक हिस्सा भारत के साथ होता है। ऐसे में यह हाईवे परियोजना दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगी।

भारत आएंगे नेपाल के पीएम बालेन शाह

भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नवनियुक्त और सबसे युवा पीएम बालेन शाह को भारत आने का न्योता दिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीएम बालेन ने इस निमंत्रण को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया है। यह दौरा दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्तों को और भी मजबूती देने के इरादे से देखा जा रहा है। उनकी यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी, जो उनके राजनीतिक जीवन के लिए एक बड़ा मील का पत्थर मानी जा रही है। पीएम मोदी ने बालेन शाह को फोन कर जीत की बधाई दी थी और साथ ही भारत आने का न्योता भी दिया। भारत हमेशा से 'नेबरहुड फर्स्ट' यानी पड़ोसियों को प्राथमिकता देने की नीति पर चलता रहा है। मोदी चाहते हैं कि नेपाल की इस नई और युवा सरकार के साथ मिलकर विकास के नए रास्तों पर काम किया जाए। 35 साल की उम्र में नेपाल की कमान संभालने वाले बालेन शाह एक पूर्व रैपर हैं।

भारत दौरे पर आएंगे ऑस्ट्रिया के चांसलर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर 14 से 18 अप्रैल तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह उनकी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। स्टॉकर के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। 15 अप्रैल को स्टॉकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। 16 अप्रैल को वे राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान करेंगे अभ्यास

एजेंसी ▶▶ जयसिंहपुर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अरवलकीरी करवत में निर्मित हवाई पट्टी पर एक बार फिर से वायुसेना के आधुनिक लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनाई देगी। इसकी तैयारी एक्सप्रेसवे व प्रशासन ने शुरू कर दी है। इसके लिए

वायुसेना मध्य कमान ने पत्र जारी कर दिया

है। रिहर्सल के सप्ताह भर पहले से यह हवाई पट्टी वायुसेना के घेरे में रहेगी, जहां उनके जवान तैनात रहेंगे। तैयारियों के मद्देनजर हवाई पट्टी के बगल से गुजरे सर्विस मार्गों की साफ-सफाई शुरू कर दी गई है। लखनऊ से गाजीपुर जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्जन भी किया गया है।

21 तक पूरा हो जाएगा रंगरोगन का काम

यूपीडा के एमडी इमरान खान ने बताया कि 21 अप्रैल तक हवाई पट्टी को रंगरोगन व मरम्मत कर दिया जायेगा। 22 या 23 अप्रैल को वायुसेना के लड़ाकू विमानों के यहां आने की सूचना है। इसके लिए सर्विस मार्गों की साफ-सफाई की जा रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109